प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

INS ACCREDITED

यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents

Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-129 | सांध्य दैनिक | मथुरा, रविवार, 5 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

बदल रही है मानसून की चाल, कभी सूखा–कभी मूसलाधार

मानसून का बदला मिजाज, मथुरा में भी दिख रहा असर

कुछ ही घंटों में हो रही है अब मूसलाधार वर्षा

यूनिक समय, मथुरा। कभी ब्रज में मानसून का मतलब कई दिनों तक रुक–रुक कर होने वाली बारिश हुआ करता था। खेतों में लगातार नमी बनी रहती थी और किसान खेती के काम उसी हिसाब से करते थे, लेकिन अब मथुरा समेत पूरे ब्रज क्षेत्र में मानसून का स्वरूप बदलता दिखाई दे रहा है। कई दिनों तक बारिश नहीं होती और फिर कुछ ही घंटों में मूसलाधार वर्षा से शहर की सड़कें जलमग्न हो जाती हैं। मौसम विशेषज्ञ इसके पीछे जलवायु परिवर्तन, समुद्र के बढ़ते तापमान और बदलते मौसम चक्र को प्रमुख कारण मान रहे हैं।

मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, पहले मानसून की वर्षा कई दिनों में समान रूप से बंटती थी, जबकि अब वही बारिश कम समय में एक साथ हो रही है। गर्म होती पृथ्वी के कारण वातावरण पहले की तुलना में अधिक जलवाष्प रोक रहा है। जब अनुकूल परिस्थितियां बनती हैं तो यही नमी अचानक तेज बारिश के रूप में गिरती है। अरब सागर और हिंद महासागर का बढ़ता तापमान भी इस बदलाव को बढ़ावा दे रहा है।

मथुरा में भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। कई बार लंबे समय तक बारिश नहीं होने से उमस और गर्मी बढ़ जाती है, जबकि अचानक तेज बारिश से शहर के निचले इलाकों, प्रमुख चौराहों और सड़कों पर जलभराव की स्थिति बन जाती है। ग्रामीण क्षेत्रों में भी किसान असमय और असमान वर्षा के कारण फसलों को लेकर चिंता जता रहे हैं। बुवाई के बाद यदि कई दिनों तक बारिश नहीं होती तो फसल प्रभावित होती है, जबकि एक साथ अधिक पानी गिरने से खेतों में जलभराव और मिट्टी का कटाव बढ़ जाता है।

मौसम वैज्ञानिक का कहना है कि मानसून के 'एक्टिव' और 'ब्रेक' चरण अब पहले की तुलना में अधिक स्पष्ट हो गए हैं।

इसके अलावा अल नीनो जैसी वैश्विक मौसमी घटनाएं, वनों की कटाई, बढ़ता प्रदूषण और तेजी से हो रहा शहरीकरण भी स्थानीय मौसम को प्रभावित कर रहे हैं। यही वजह है कि सामान्य मानसून के बावजूद वर्षा का वितरण असंतुलित हो रहा है।

जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार के अनुसार, बदलते मानसून के इस दौर में केवल कुल वर्षा पर नहीं, बल्कि उसके समय और वितरण पर भी ध्यान देना होगा। किसानों के लिए जल संरक्षण, सूक्ष्म सिंचाई और मौसम आधारित खेती की रणनीति अपनाना जरूरी होगा। मथुरा जैसे शहरों में जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करना समय की आवश्यकता बन गया है, ताकि अचानक होने वाली भारी बारिश से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके।

वृंदावन की यमुना में डूबने से बचाए तीन श्रद्धालु

बालक के गहरे पानी में जाने से हुई घटना

गोताखोरों ने सबको बचाया

यूनिक समय, वृंदावन। यमुना नदी में स्नान के दौरान गहरे पानी में चले जाने से डूब रहे तीन श्रद्धालुओं को स्थानीय गोताखोरों ने समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया। घटना के बाद घाट पर कुछ देर के लिए अफरा–तफरी का माहौल बन गया, लेकिन तीनों की जान बच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आज दोपहर यमुना के केसी घाट पर समस्तीपुर कुछ श्रद्धालु में स्नान कर रहे थे। इसी दौरान श्रद्धालुओं के साथ मौजूद एक बच्चा गहरे पानी में जाकर डूबने लगा। यह देखकर साथ आए श्रद्धालु बच्चे को बचाने के लिए यमुना में आग बढ़ गए। लेकिन, यमुना की गहराई का अंदाजा नहीं लगा सके और तेज बहाव की चपेट में आकर डूबने लगे। श्रद्धालुओं की चीख–पुकार सुनकर गोताखोर मौके पर पहुंचे तथा बिना समय गंवाए नदी में उतरकर तीनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

यमुना में डूबने से बचाए गए समस्तीपुर के लोग।

बचाव के बाद तीनों श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार दिया गया। उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही घाट पर मौजूद अन्य श्रद्धालुओं ने राहत की सांस ली और गोताखोरों की सराहना की। गोताखोरों का कहना है कि श्रद्धालु अनजाने में गहरे पानी वाले क्षेत्र में पहुंच जाते हैं, समझाने पर ध्यान नहीं देते हैं। बरसात के मौसम में नदी का जलस्तर और बहाव अचानक बढ़ सकता है, इसलिए अतिरिक्त सतर्कता बरतना आवश्यक है। वहीं श्रद्धालुओं को बचाते समय गोताखोर मुकेश यमुना में डूबने लगा, जिसे अन्य लोगों ने बमुश्किल बचाया।

रास्ता निकालने के विरोध ने महिला ने किया आत्मदाह का प्रयास

यूनिक समय,मथुरा। थाना शेरगढ़ के पीरपुर में शनिवार को रास्ते के विवाद को लेकर हंगामा खड़ा हो गया। एक महिला ने राजस्व और पुलिस टीम के सामने स्वंय पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह का प्रयास किया।

गांव पीरपुर निवासी लक्ष्मी पत्नी संजय का विहार वन आश्रम से जुड़े एक रास्ते को लेकर विवाद चल रहा है। राजस्व विभाग की टीम और पुलिस कर्मी महिला के खेत से होकर रास्ता निकालने का प्रयास कर रहे थे। इसी बीच लक्ष्मी अपने बच्चों को लेकर खेत पर पहुंची।

महिला ने खेत से रास्ता निकालने का विरोध किया। इसके साथ ही अधिकारियों से गुहार लगाई, लेकिन महिला की किसी ने नहीं सुनी। महिला ने इस पर आक्रोशित होकर अपने ऊ पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह का प्रयास करने लगी। पुलिस कर्मी तुरंत उस ओर दौड़े और किसी तरह महिला को आग लगाने से बचा लिया। इसके बाद रास्ता निकालने की कार्रवाई को राजस्व विभाग की टीम ने रोक दिया।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि पर अगस्त में कार सेवा का ऐलान, बढ़ी हलचल

यूनिक समय, मथुरा। राधाकुंड स्थित चित्रगुप्त पीठ के पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद महाराज ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि विवाद को लेकर 9 अगस्त को कार सेवा करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि बड़ी संख्या में साधु–संत और सनातनी इस अभियान में शामिल होंगे। उनके बयान के बाद धार्मिक और राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

गोवर्धन स्थित निर्मोही अखाड़े में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा कि अब अदालतों के चक्कर लगाने के बजाय आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि 9 अगस्त, अगस्त क्रांति दिवस पर कार सेवा के लिए कूच किया जाएगा। इस दौरान निर्मोही अखाड़े के राष्ट्रीय प्रवक्ता संत सीताराम दास महाराज ने भी उनके अभियान का समर्थन किया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से भी इस मुद्दे पर आगे आने की अपील की। स्वामी सच्चिदानंद महाराज के इस बयान के बाद मामले को लेकर विभिन्न स्तरों पर प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं।

पंडवानी गायिका के निधन से लोककला जगत शोकाकुल

तीजन बाई की यादों से फिर भावुक हुआ मथुरा

मथुरा महोत्सव की यादें हुईं ताजा

1996 में जीता था ब्रजवासियों का दिल

यूनिक समय, मथुरा। प्रख्यात पंडवानी लोकनाट्य शैली की अप्रतिम गायिका तीजन बाई के निधन से देशभर में शोक की लहर है। उनके निधन का समाचार मिलते ही मथुरा में वर्ष 1996 में आयोजित ऐतिहासिक "लोक गाथा महोत्सव" की यादें एक बार फिर ताजा हो गईं।

ब्रज कला केंद्र के तत्कालीन राष्ट्रीय सचिव डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल ने बताया कि 12 से 14 अप्रैल 1996 तक चित्रकूट मसानी में आयोजित त्रिदिवसीय लोक गाथा महोत्सव में तीजन बाई सबसे अधिक चर्चित कलाकार रहीं। उनका कार्यक्रम महोत्सव के पहले दिन रखा गया था, जिसने अपनी सशक्त प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया था।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान मथुरा के तत्कालीन जिलाधिकारी सदाकांत मिश्र भी भावुक हो उठे थे और उनकी आंखें नम हो गई थीं। जब उनसे इसका कारण पूछा गया तो उन्होंने कहा था, "दिल तो मेरे अंदर भी है न।"

लोक गाथा महोत्सव में प्रस्तुति देती तीजन बाई। फोटो–साभार डॉ. राजेंद्र कृष्ण अग्रवाल

उन्होंने बताया कि तीजन बाई को महोत्सव में आमंत्रित करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार से विशेष अनुरोध किया गया था, जिसके बाद उनका मथुरा आगमन संभव हो सका। महोत्सव के संयोजक और संचालक होने के नाते उनके पूरे प्रवास, आवास और अन्य व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी भी उन्होंने ही संभाली थी।

कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह स्वयं तीजन बाई और उनके दल को मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन तक विदा करने गए थे।

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि तीजन बाई के निधन का समाचार सुनते ही उनसे जुड़ी वे सभी स्मृतियां आंखों के सामने तैरने लगीं। उनके निधन से भारतीय लोककला जगत ने अपनी एक अमूल्य धरोहर खो दी है।

एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर वाहन चालकों में संशय

यूनिक समय, मथुरा। जिले में एथेनॉल मिश्रित (ई–20) पेट्रोल को लेकर वाहन चालकों के बीच संशय की स्थिति बनी हुई है। शहर के कई पेट्रोल पंपों पर वाहन मालिक ई–20 पेट्रोल की उपयुक्तता को लेकर जानकारी ले रहे हैं, जबकि स्थानीय गैरेज और सर्विस सेंटरों पर भी इससे जुड़े सवाल बढ़ गए हैं।

हाईवे और शहर के प्रमुख बाजारों में वाहन मरम्मत का काम करने वाले मैकेनिकों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों में कई ग्राहक माइलेज में कमी और पुराने वाहनों पर ई–20 पेट्रोल के

नए तरह के ईंधन को लेकर मैकेनिकों के पास बढ़ रही पूछताछ

प्रभाव को लेकर जानकारी लेने पहुंच रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब तक किसी बड़े स्तर पर केवल एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के कारण इंजन खराब होने जैसी स्थिति सामने नहीं आई है। उधर, वाहन डीलरों का कहना है कि नए मॉडल के अधिकांश वाहन ई–20 ईंधन के अनुरूप तैयार किए जा रहे हैं। वहीं, पुराने वाहनों के मालिकों को निर्माता कंपनी के दिशा–निर्देशों का पालन करने की सलाह दी जा रही है। मथुरा के पेट्रोल पंप संचालकों का कहना है कि उन्हें सरकार और तेल कंपनियों के निर्देशों के अनुसार ई–20 पेट्रोल की आपूर्ति की जा रही है। ग्राहकों की जिज्ञासाओं का समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन इंटरनेट मीडिया पर चल रही विभिन्न जानकारियों के कारण भ्रम की स्थिति भी बन रही है। हाल के दिनों में देशभर में ई–20 पेट्रोल को लेकर बहस तेज हुई है। कुछ उपभोक्ताओं ने माइलेज और पुराने वाहनों की अनुकूलता पर सवाल उठाए हैं, जबकि केंद्र सरकार और वाहन उद्योग का कहना है कि व्यापक परीक्षण के बाद ई–20 को लागू किया गया है और इसके कारण बड़े पैमाने पर इंजन क्षति के प्रमाण नहीं मिले हैं।

हमारी भी सुनो

बबलू मिस्त्री का कहना है कि कई लोग वाहन का एवरेज कम होने की शिकायत लेकर आ रहे हैं। इंजन में खराबी बता रहे हैं, पुराने वाहन की वजह से ऐसा हो सकता है।

राजू सैनी का मानना है कि उपभोक्ताओं को अफवाहों के बजाय अधिकृत तकनीकी जानकारी पर भरोसा करना चाहिए, वाहन की अनुकूलता के संबंध में निर्माता के निर्देशों का पालन करना चाहिए।

मोहन श्याम का कहना है कि ऐसे ईंधन की देश में जोरों से चर्चा है। कुछ लोग इसे बेकार बताते हुए वाहन के जल्द खराब होने की बात कह रहे हैं। मथुरा में ऐसा ईंधन नहीं आया है।

अंत्योदय कार्डधारकों को 35 किलो अनाज, तीन किलो मिलेगी चीनी

यूनिक समय, मथुरा। अंत्योदय कार्डधारक परिवारों को चालू माह में 35 किलो अनाज के साथ ही तीन किलोग्राम चीनी भी मिलेगी। अनाज तो निःशुल्क होगा, लेकिन चीनी के लिए 54 रुपये देने होंगे। वहीं पात्र गृहस्थी कार्डधारक परिवारों को प्रति यूनिट पांच किलोग्राम अनाज मिलेगा। अनाज का वितरण छह से 20 जुलाई के मध्य किया जाएगा। 20 जुलाई को ओटीपी बेस्ड वितरण किया जाएगा।

जिला पूर्ति अधिकारी संजीव सिंह ने बताया कि अंत्योदय अन्न योजना और पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को निशुल्क वितरण का अनाज उचित दर की दुकानों पर उपलब्ध करा दिया गया है। छह जुलाई से वितरण होगा। अंत्योदय अन्न योजना कार्डधारकों को अप्रैल से जून माह तक तीन किलोग्राम चीनी भी दी जाएगी। चीनी के लिए 18 रुपये प्रति किलोग्राम कार्डधारक को अदा करने होंगे। बताया कि वितरण ई–पॉस वेइंग मशीन के माध्यम से किया जाएगा।

डीएसओ ने बताया कि अंत्योदय अन्न योजना के कार्डधारक परिवारों को 14 किलोग्राम गेहूं और 21 किलोग्राम चावल निःशुल्क दिए जाएंगे। चीनी के वितरण में पोर्टेबिलिटी की सुविधा मान्य नहीं होगी। कार्डधारक को अपनी मूल दुकान से ही चीनी प्राप्त करनी होगी। बताया कि पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रति यूनिट दो किलोग्राम गेहूं और तीन किलोग्राम चावल निशुल्क वितरित किए जाएंगे। अनाज वितरण में पोर्टेबिलिटी सुविधा उपलब्ध रहेगी। आधार प्रमाणीकरण से अनाज न मिलने की स्थिति में कार्डधारक के मोबाइल ओटीपी वेरिफिकेशन के माध्यम से 20 जुलाई को वितरण किया जाएगा। वितरण के लिए नोडल और पर्यवेक्षणीय अधिकारी मौजूद रहेंगे।

खिताबी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 12 से मथुरा में

यूनिक समय, मथुरा। जिला क्रीड़ा भारती द्वारा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए खिताबी कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन 12 जुलाई को प्रातः 11 बजे बीएसए कॉलेज मथुरा में किया जाएगा। क्रीड़ा भारती के महानगर अध्यक्ष मानवेंद्र चौधरी और जिलाध्यक्ष कमल किशोर वार्ष्णेय ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी प्रतिभाओं को मंच देना है। आयोजन सचिव सोवू पहलवान भरऊ ने लोगों से कुश्ती प्रतियोगिता में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की।

हाइवे पर दुर्घटना में युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना छाता क्षेत्र स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर चेतक अकेडमी के समीप एक अज्ञात युवक का शव पुलिस ने बरामद किया था। मृतक की शिनाख्त नगला रामताल निवासी संजय के रुप में हुई है। पुलिस ने कल सायं हाइवे के किनारे एक चेतक अकेडमी के समीप एक युवक का शव पड़ा देखा। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रथम दृष्टया युवक की मौत किसी वाहन से टकराने के कारण बताई गई। युवक संजय पुत्र सुरेश निवासी नगला रामताल थाना जैंत हैं। परिवार के लोगों का कहना है कि वह अपनी रिश्तेदारी में गया था। पुलिस ने उसके दुर्घटना में मृत होने की सूचना दी थी।

गैर इरादतन हत्या में वांछित गिरफ्तार

यूनिक समय,मथुरा। नौहझील पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गांव गढ़ी सामंता थाना नौहझील निवासी रामवीर गैर इरादतन हत्या के मामले में वांछित चल रहा था। पुलिस ने उसे नावली पचहरा रोड पर शराब ठेके से आगे गिरफ्तार किया है।

सीबीएसई इंटरमीडिएट की कम्पार्टमेंट और इम्प्रूवमेंट परीक्षा के लिए आवेदन शुरू

यूनिक समय, मथुरा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 12 की कम्पार्टमेंट, इम्प्रूवमेंट परीक्षा 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। आवेदन आठ जुलाई रात 11:59 बजे तक किए जा सकेंगे। नियमित विद्यार्थियों के आवेदन संबंधित विद्यालयों के माध्यम से ही स्वीकार किए जाएंगे, जबकि प्राइवेट अभ्यर्थी सीबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट के जरिये स्वयं ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। परीक्षा 28 जुलाई को होगी।

सीबीएसई के कोऑर्डिनेटर शैलेंद्र सिंह ने बताया कि सभी संबद्ध विद्यालयों को पात्र विद्यार्थियों की ऑनलाइन सूची निर्धारित समय–सीमा के भीतर सीबीएसई पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने प्रधानाचार्यों से कहा कि वे पात्र विद्यार्थियों को समय पर सूचना देकर आवेदन प्रक्रिया समय रहते पूरी कराएं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 की मुख्य परीक्षा में नियमित विद्यार्थी केवल एक विषय में ही कम्पार्टमेंट परीक्षा के लिए आवेदन कर सकेंगे। वहीं, मुख्य परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थी अपने अंकों में सुधार के लिए केवल एक विषय में इम्प्रूवमेंट परीक्षा देने के पात्र होंगे।

सहालग की टोकरी महंगी, बढ़े फलों के दाम

यूनिक समय, मथुरा। सहालग में फलों के दामों के साथ शादियों में दी जाने वाली टोकरी की साज–सज्जा भी बढ़ी है। सेब 250 तो अनार 200 रुपये प्रति किलो पहुंच गया है। फल विक्रेताओं का कहना है कि माल भाड़ा बढ़ने से फलों के दाम बढ़े हैं।फल व्यापारी जगदीश प्रसाद ने बताया कि गर्मी में मंडी में फलों की आवक कम होती है, अब सहालग भी है। इस वजह से मांग बढ़ने से दामों में इजाफा हुआ है। दुकानदार समीर ने बताया कि पहले शादी–विवाह में जो फल की टोकरी 800 से एक हजार रुपये में तैयार हो जाती थी, अब वह 1200 से 1500 रुपये में तैयार हो रही है।

दुकान पर बिक्री को रखे फल।

फलों के दाम

	पहले	अब
सेब	200 रुपये	250 रुपये
अनार	160 रुपये	200 रुपये
संतरा	200 रुपये	250 रुपये
पपीता	70 रुपये	100 रुपये
नाशपाती	80 रुपये	100 रुपये

नोट— फलों के दाम स्थानीय दुकानदारों के अनुसार

एसएसपी ने चलाई तबादलों की रेल

नौ निरीक्षक सहित 43 उप निरीक्षकों के स्थानांतरण

कई थाने और चौकी के प्रभारियों को भी बदला

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी ने एक बार फिर पुलिस प्रशासन को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए बड़े पैमाने पर जनपद में निरीक्षक और उप निरीक्षकों के स्थानांतरण किए हैं। नौ निरीक्षकों और 43 उप निरीक्षकों को इधर से उधर किया है।

एसएसपी श्लोक कुमार ने थाना प्रभारी निरीक्षक बरसाना अश्वनी कुमार को थाना वृंदावन, सदर बाजार के अजीत सिंह को प्रभारी निरीक्षक बरसाना, पुलिस लाइन से अंजीश कुमार को थाना प्रभारी निरीक्षक नौहझील, पुलिस लाइन से त्रिपुरेश कोशिक को थाना प्रभारी निरीक्षक सदर बाजार, अतिरिक्त निरीक्षक उमेश कुमार को कोसीकलां से थाना प्रभारी निरीक्षक मांट, निरीक्षक अपराध रोशन लाल को थाना गोविंदनगर से प्रभारी निरीक्षक एएचटूयू, पुलिस लाइन से मुकेश कुमार शर्मा अतिरिक्त निरीक्षक अपराध वृंदावन, सुरेद्र कुमार को अतिरिक्त निरीक्षक अपराध कोसीकलां, शैलेंद्र सिंह को आरटीसी प्रभारी, मीडिया सेल प्रभारी आईगोट, सुरीर थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह को थाना प्रभारी मगोर्रा भेजा है।

उप निरीक्षक अरुण कुमार चौकी प्रभारी केशव धाम वृंदावन से थाना अध्यक्ष सुरीर, वृंदावन के वरिष्ठ उप निरीक्षक अभय शर्मा थाना प्रभारी बल्देव, प्रभारी स्वाट टीम अजय वर्मा को थाना प्रभारी गोविंद नगर, थाना प्रभारी मगोर्रा हरीश चौधरी को वरिष्ठ उप निरीक्षक गोविंदनगर, चौकी प्रभारी विशंभरा थाना शेरगढ़ महावीर सिंह को प्रभारी स्वाट टीम, पुलिस लाइन से अमित तोमर प्रभारी एंटी थैफ्ट और रिवार्डी टीम,थाना जैंत के सुधीर राठी को वहीं पर वरिष्ठ उप निरीक्षक, विपिन तोमर वरिष्ठ उपनिरीक्षक जैंत से चौकी प्रभारी विशंभरा शेरगढ़, अरुण त्यागी चौकी प्रभारी मथुरा गेट वृंदावन से चौकी प्रभारी दीनदयाल धाम फरह, कृपाल सिंह चौकी प्रभारी पलसों गोवर्धन से चौकी प्रभारी बिरला मंदिर गोविंदनगर,अजीत कुमार चौकी प्रभारी बिरलामंदिर से चौकी प्रभारी पलसों गोवर्धन, उतम भड़ाना को साइबर सैल से थाना जैंत, सर्वेश कुमार का थाना मांट से स्थानांतरण निरस्त करने के बाद रिफाइनरी , अवदेश रोहित थाना सुरीर से थाना गोवर्धन, कपिल नागर को चौकी प्रभारी दौताना छाता से थाना रिफाइनरी, शिवानी को महिला थाने से थाना छाता, अंशुमन सिंह बिश्नोई को थाना छाता से चौकी प्रभारी दौताना, रमेशचंद को थाना राया से केजेएस, अरुण कुमार को थाना कोतवाली से एएचटीयू , संदीप राणा को एएचटीयू से थाना जैंत, रघुराज बहादुर गौतम को थाना वृंदावन से केजेएस, संजीव कुमार को थाना शेरगढ़ से वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना नौहझील, जयसिंह को पुलिस लाइन से थाना छाता, अकिंत कुमार को चौकी प्रभारी पाली डूंगरा थाना मगोर्रा से चौकी प्रभारी सनसिटी थाना जैंत, दुष्यंत कौशिक को चौकी प्रभारी सनसिटी से चौकी प्रभारी पाली डूंगरा, लोकेश कुमार को पुलिस लाइन से थाना जैंत, अंकित मलिक को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी कस्बा छाता, राहुल कुमार को चौकी प्रभारी कस्बा छाता से चौकी प्रभारी मथुरा गेट थाना वृंदावन, उत्तम चौहान को चौकी प्रभारी जिंदल चौराहा कोसीकलां से चौकी प्रभारी कोटवन कोसीकलां, मनोज कुमार शर्मा को कोटवन चौकी प्रभारी से चौकी प्रभारी सौंख मगोर्रा , आनंद शर्मा को चौकी प्रभारी दीनदयाल धाम से चौकी प्रभारी नंदगाव, दीपक कुमार चौकी प्रभारी सहार से चौकी प्रभारी नानकपुर थाना नौहझील, विनीत कुमार चौकी प्रभारी नानकपुर से थाना शेरगढ़, राजीव कुमार को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी जिंदल चौराहा कोसीकलां, अंकित चौधरी को थाना जैंत से चौकी प्रभारी सहार थाना बरसाना, हरेंद्र कुमार को थाना जैंत से चौकी प्रभारी हाथिया थाना बरसाना, अवन कुमार को थाना कोसीकलां से चौकी प्रभारी जाजमपट्टी थाना मगोर्रा, केशव वशिष्ठ को थाना जैंत से चौकी प्रभारी राधापुरम स्टेट हाइवे, पुलिस लाइन से शिव कुमार को चौकी प्रभारी नयति थाना जैंत,ब्रजेश कुमार को कोतवाली, प्रवीण कुमार को थाना मांट, राजेश कुमार को थाना रिफाइनरी के लिए स्थानांतरित किया है।

चालक को नींद की झपकी लगी रेलिंग से टकराई बोलेरो

यमुना एक्सप्रेस वे पर बोलेरो के पलटने से सड़क पर फैले टमाटर और क्रेट।

बोलेरो के पलटने से चालक सहित दो घायल दो सुरक्षित

सड़क पर फैले टमाटरों से कुछ देर रहा रोड जाम

यूनिक समय, सुरीर, मथुरा। रविवार सुबह यमुना एक्सप्रेस-वे पर एक सड़क हादसे में नोएडा से आगरा की ओर जा रही टमाटर से भरी बोलेरो पिकअप माईलस्टोन संख्या 67 पर चालक को नींद की झपकी आने के कारण अनियंत्रित होकर साइड रेलिंग से टकरा कर पलट गई।

हादसे की सूचना सुबह करीब सात बजकर 10 मिनट पर पीआरवी को मिली। दुर्घटना का पता लगने पर थाना नौहझील प्रभारी निरीक्षक जगदम्बा सिंह,चौकी इंचार्ज बाजना कट हरेंद्र सिंह तोमर, कास्टेबल देवेंद्र सिंह ने राहत-बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटना के समय वाहन को चालक श्याम सिंह निवासी बिदौनी जनपद अलीगढ़ चला रहा था। बताया गया कि चालक को वाहन चलाने के दौरान अचानक नींद की झपकी लग गई और गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी रैलिंग से टकरा कर पलट गई। गाड़ी में भरी टमाटर की क्रेट सड़क पर फैल गई। सड़क पर फैले टमाटरों के कारण कुछ समय के लिए वाहनों का आवागमन रुक गया। पुलिस ने क्रेन से दुर्घटनाग्रसत गाड़ी को सड़क से हटवाया और दुर्घटना में घायल हुए चालक श्याम सिंह, राजकुमर निवासी मनोहरपुर थाना महावन को उपचार के लिए सीएचसी नौहझील भेज दिया। इसके साथ ही गाड़ी में बैठे घनश्याम सिंह और सल्लू को हलकी चोट आई। इसके बाद ही रोड से वाहनों का आवागमन शुरू हो सका।

प्रेमिका की हत्या करने वाला प्रेमी गिरफ्तार

हत्या में प्रयुक्त गमछा और शव फेंकने में इस्तेमाल गाड़ी बरामद

पुलिस हिरासत में प्रेमिका की हत्या करने वाला प्रेमी।

यूनिक समय, मथुरा। अपने से काफी कम उम्र की दूसरे व्यक्ति की पत्नी से अवैध संबंध बनाने और उसकी हत्या कर शव को पानी गांव बाइपास पर फेंकने वाले अभियुक्त को यमुनापार पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस को पानी गांव बाइपास पर एक महिला(27) का शव पड़ा मिला था। महिला की गला घोंटकर हत्या की गई थी। पुलिस ने महिला की शिनाख्त कोमल पत्नी राजू निवासी बालाजीपुरम थाना हाइवे के रुप में की। इस मामले में राजू ने थाना यमुनापार में पत्नी की हत्या करने के मामले में नगला पीता थाना राया निवासी सतीश चौधरी उर्फ एसके चौधरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। यमुनापार पुलिस ने इस मामले में अभियुक्त सतीश चौधरी उर्फ एसके चौधरी को पानीगांव मांट रोड से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पुलिस को हत्याभियुक्त ने बताया कि उसके कोमल से प्रेम संबंध थे। वह उसे लेकर लक्ष्मीनगर में किराए के मकान में रह रहा था। कोमल द्वारा उससे शादी करने के लिए दबाव बनाया जा रहा था। शादी करना उसके लिए संभव नहीं था। कोमल से छुटकारा पाने के लिए उसने उसकी हत्या करने की योजना बनाई। कोमल का स्फिट कार में पीछे की सीट पर गमझे से गला घौंट कर मारने के बाद उसके शव को पानी गांव बाईपास के समीप फैंक कर भाग गया। पुलिस ने उसके कब्जे से हत्या में प्रयोग किया गया गमछा और जिस गाड़ी में शव को फैंका गया था बरामद कर ली है। पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया।

मुठभेड़ में गोली लगने से अभियुक्त घायल

देशी तमंचा-कारतूस बरामद, घायल को अस्पताल भेजा

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाइवे पुलिस ने हत्या के प्रयास में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को दतिया को जाने वाले रास्ते पर चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान अभियुक्त के दाएं पैर में गोली लगी है। पुलिस ने घायल अभियुक्त को अस्पताल में भर्ती कराया है।

सीओ रिफाइनरी ने बताया कि दो जुलाई को गांव खामनी के समीप गांव के छोटू को आपसी कहासुनी के दौरान संदीप उर्फ देशा निवासी ग्राम दतिया थाना हाइवे ने गोली मारकर गंभीर घायल कर दिया था। इस मामले में थाना हाइवे में अपराध पंजीकृत कराया गया था। पुलिस अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही थी। हाइवे पुलिस को संदीप उर्फ देशा के बारे में जानकारी हुई कि वह चंद्राग्रीन के समीप दतिया जाने वाले रोड की तरफ जा रहा है। पुलिस ने उसकी घेराबंदी की। पुलिस के रोकने पर अभियुक्त ने गोलियां चला दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। पुलिस की गोली उसके दांए पैर में लगी। गोली लगने से वह वहीं गिर पड़ा। पुलिस ने मौके से उसे घायलावस्था में गिरफ्तार कर इलाज के लिए हॉस्पिटल भेज दिया। पुलिस को उसके कब्जे से देशी तमंचा-कारतूस बरामद हुए हैं।

रुट बदलने से गुस्साए ई-रिक्शा चालक

यूनिक समय, वृंदावन। रूट बदलने से ई रिक्शा चालक भड़क गए। गुस्साए ई-रिक्शा चालकों ने प्रदर्शन कर पहले निर्धारित किए रुटों का बहाल करने की मांग की। आरोप लगाया कि यकायक रूट बदलने से कई जगह परेशानी का सामना करना पड़ा।

पिल्होरा में फंदे पर लटका मिला युवक का शव

परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

यूनिक समय, छाता। थाना क्षेत्र के गांव पिल्होरा में रविवार सुबह 28 वर्षीय युवक शव उसके ही कमरे की छत में फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। घटना के बाद परिवार में चीख–पुकार मच गई। परिजनों ने गांव के ही युवकों पर मारपीट और हत्या का आरोप लगाया है। वारदात की सूचना मिलते ही केडी चौकी प्रभारी ललित ललित चौधरी और कोतवाली प्रभारी उमेशचंद्र त्रिपाठी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए साक्ष्य जुटाने के लिए तत्काल फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुला लिया।

घटना के संबंध में मृतक के ताऊ के लड़के विनोद ने पुलिस को बताया कि शनिवार की शाम अशोक पुत्र सौदान सिंह गांव के ही युवकों के साथ बैठकर शराब पी रहा था।

इसी दौरान उनके बीच किसी बात को लेकर तीखी बहस हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। रात के समय क्षुब्ध अशोक ने अपने भाई रिंकू को फोन कर इस पूरी आप बीती की जानकारी भी दी थी। अपने घर आकर रात 11 बजे छत पर सोने को चढ़ा था। सुबह सात बजे मृतक के भाई रिंकू ने अशोक को पशुओं को चारा डालने को आवाज लगाई तो ऊपर से नहीं बोला। घर के ऊपरी हिस्से में रिंकू ऊपर चढ़ा तो वहां प्लास्टिक की रस्सी के सहारे कमरे में पंखे के हुक से अशोक का शव लटकता देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। रिंकू की चीख सुनकर पड़ोसी भी ऊपर छत पर पहुंचे और अशोक के शव को नीचे उतारा।

कोतवाली प्रभारी उमेशचंद्र त्रिपाठी ने बताया कि अशोक ने फांसी लगाई है, शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं है, शव को पोस्टमार्टम को भेज दिया गया है। परिजन गांव के ही युवकों पर मारपीट और हत्या का आरोप लगा रहे है ।

आरोपों को ध्यान में रखते हुए फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल से जरूरी साक्ष्य एकत्र किए हैं। मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर विधिक कार्रवाई की जायेगी, अभी कोई प्रार्थना पत्र नहीं मिला है।

विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों का प्रस्ताव तैयार

यूनिक समय, मथुरा। जिला मजिस्ट्रेट - जिला निर्वाचन अधिकारी चंद्रप्रकाश सिंह ने समस्त राजनीतिक दलों, जन प्रतिनिधियों को बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर समस्त विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदेय स्थलों का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। जिले के गोवर्धन, बल्देव सुरक्षित, मांट, छाता और मथुरा के मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन कराने के बाद आयोग के निर्देशों पर मतदेय स्थलों का प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है।

इसका आलेख्य प्रकाशन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, चार जुलाई को समस्त विधानसभा मुख्यालय, तहसील कार्यालय और जिला निर्वाचन कार्यालय में कर दिया गया है। जनपद के समस्त मतदाताओं, राजनीतिक दलों और जन प्रतिनिधियों से अपेक्षा की जाती है कि आलेख्य प्रकाशित की गई मतदेय स्थल की सूची का परीक्षण कर लें। यदि कोई आपत्ति और सुझाव हो तो 11 जुलाई तक संबंधित तहसील कार्यालय, उप जिलाधिकारी अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय में उपलब्ध करा दें। मतदेय स्थलों की सूची किसी भी कार्यालय कार्य दिवस में कार्यालय और संबंधित उप जिलाधिकारी, तहसील कार्यालय में और जनपद की वेबसाइट पर निरीक्षण के लिए उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि 81-छाता में मतदेय स्थलों की संख्या 416, 82- मांट में 458, 83- गोवर्धन में 397 और 84- मथुरा में 495, 85- बल्देव अनुसूचित जाति में 481 है। आपत्ति जमा कराई जा सकती हैं।

गोशालाओं का औचक निरीक्षण, गोवंश की बेहतर देखभाल के निर्देश

राल स्थित गोशाला का निरीक्षण करते उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय।

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश गो–सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय ने शनिवार को राल स्थित ब्रह्मऋषि देवराह बाबा गो–आश्रय स्थल, वृंदावन की मदन गोपाल गोशाला और इस्कॉन गोशाला का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने गोशालाओं में गोवंश की देखभाल, स्वच्छता, चारे, पेयजल और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने गर्मी और आगामी वर्षा ऋतु को देखते हुए गोवंश को मौसमी बीमारियों से बचाने के लिए विशेष इंतजाम करने पर जोर दिया। उन्होंने शेड की स्थिति, साफ–सफाई, हरे चारे, भूसा भंडारण और पोषण संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की और प्रबंधन से कहा कि प्रत्येक गोवंश को पर्याप्त मात्रा में हरा चारा उपलब्ध कराया जाए।

राल स्थित गो–आश्रय स्थल में लगभग 10 एकड़ क्षेत्र में लगाए गए नैपियर घास का भी उन्होंने अवलोकन किया। साथ ही गोशाला परिसर में तैयार की जा रही केंचुआ खाद और गो उत्पाद केंद्र का निरीक्षण किया, जहां धूपबत्ती, साबुन, फेसवॉश, दीपक, घी और फिनायल जैसे उत्पाद बनाए जा रहे हैं। उन्होंने इन गतिविधियों को गोशालाओं की आत्मनिर्भरता की दिशा में सकारात्मक पहल बताया।

रमाकांत उपाध्याय ने कर्मचारियों से गोवंश के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण और बीमार पशुओं के उपचार की व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि वर्षा के मौसम में जलभराव न होने पाए और साफ–सफाई की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि गोवंश की सेवा और संरक्षण प्रदेश सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए और बेहतर कार्य करने वाले कर्मचारियों की सराहना भी की।

उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के सदस्य रमाकांत उपाध्याय आए राल गोशाला

तापमान बढ़ा, गर्मी और उमस ने किया बेहाल

यूनिक समय, मथुरा। जिले में रविवार को धूप और उमस भरी गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। अधिकतम तापमान 2.4 डिग्री सेल्सियस बढ़कर 36.6 डिग्री सेल्सियस हो गया। मौसम विभाग ने सोमवार को भी तापमान बढ़ने की आशंका जताई है। दोपहर में तेज धूप के कारण प्रमुख मार्गों पर लोगों की आवाजाही काफी कम रही। न्यूनतम तापमान भी एक डिग्री बढ़कर 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दिन के साथ–साथ रात में भी गर्मी का असर महसूस किया गया। लोग गर्मी से बचने के लिए घरों में एसी और कूलर के सामने डटे रहे। शाम को तापमान में थोड़ी कमी आने पर बाजारों में भीड़ बढ़ी।

शक की चिंगारी से रिश्ते खाक अब संबंधों में आ रही खटास

यूनिक समय, मथुरा। समाज में शक की खतरनाक बीमारी तेजी से जन्म लेती जा रही है। दिमाग में थोड़ा सा शक पैदा होते ही लोग रिश्तों को भूल कर खून बहाने तक से नहीं चूक रहे हैं। शनिवार को सगाई की रस्म के दौरान हुए वाकये ने लोगों को हिला कर रख दिया। आज लोगों में अपने रिश्तों को लेकर खटास नहीं, अविश्वास पैदा हो रहा है। उसके चलते परिवारों में एक बड़ी विघटन कारी स्थिति पैदा होने लगी है। रिश्ते विश्वास से चलते हैं, पति को पत्नी पर पत्नी को पति पर विश्वास करना पड़ता है। इन रिश्तों के बीच पैदा होने वाला अविश्वास पति–पत्नी के बीच दरार ही नहीं पैदा करता है, बल्कि स्थिति यहां तक आ जाती है कि पत्नी पति से तंग आकर आत्म हत्या जैसे जघन्य वारदात को अंजाम दे देती है। वह अपने पीछे छोड़े जाने वाले अपने छोटे बच्चों तक का ख्याल नहीं करती है कि उसके चले जाने के बाद उनका क्या होगा? पति भी कभी–कभी पत्नी पर बिना कारण जाने ही शक करने लगता है। पत्नी को थोड़ा स्नेह देने और हसंकर किसी से बोलते देख पति के दिमाग में फितूर आना शुरू हो जाता है। दोनों में एक दूसरे को समझने की बजाय, एक-दूसरे से दूरियां बनना शुरू हो जाती है। ऐसा ही कुछ शनिवार को हुई घटना से सामने आता है। प्रधान सुभाष चौधरी की भतीजी की सगाई का कार्यक्रम एक फार्म हाउस पर चल रहा था। सभी लोग खुशियां मना रहे थे। इसी बीच समारोह में पवन चौधरी और गजेंद्र चौधरी का परिवार भी आया हुआ था। दोनों ही चाचा- ताऊके भाई हैं। पवन के दिमाग में फितूर घूम रहा था कि उसकी पत्नी के भाई गजेंद्र के साथ संबंध हैं। इसी शक में उसने अपने भाई पर लाइसेंसी पिस्टल से उसके सिर पर पांच गोलियां दाग दी। गजेंद्र चौधरी की मौत हो गई। इस तरह शक की एक छोटी सी चिंगारी ने एक भाई की जान ले ली। यही नहीं इसके चलते पवन का भी जीवन बरबाद हो गया।

खरीदी जमीन पर रात में कब्जे की कोशिश

जान से मारने की धमकी, पुलिस जांच में जुटी

यूनिक समय, वृंदावन। दावानल कुंड क्षेत्र में भूमाफियाओं के हौसले फिर बढ़ गए हैं। मौजा कैमारवन निवासी हरिशंकर के प्लॉट में रात के समय कुछ अराजक तत्वों ने घुसकर ताला तोड़ दिया। अंदर रखा सामान बाहर निकालकर कब्जा करने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित ने शनिवार को कोतवाली में लिखित शिकायत दी है।

पीड़ित बीएसए रोड कृष्णा विहार निवासी हरिशंकर ने बताया कि उन्होंने दिलीप सिंह उर्फ हरीओम यादव और विशाल सिंह यादव, निवासी जवाहर रोड वृंदावन से 11 लाख 29 हजार रुपये में प्लॉट खरीदा था। प्लॉट में उन्होंने कमरा बनवाकर बिजली और पानी का कनेक्शन भी कराया था।

तहरीर के अनुसार, तीन जुलाई की रात कुछ अराजक तत्व प्लॉट में घुसे और कब्जा करने लगे। उन्होंने अंदर रखा सामान निकालकर बाहर फेंक दिया और अपना ताला लगा दिया। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो आरोपी तीन– चार लोग गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देकर भाग गए। हरिशंकर ने कोतवाली प्रभारी से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपनी जानमाल की सुरक्षा की मांग की है। उन्होंने कहा कि भूमाफियाओं के कारण उनका परिवार दहशत में है।

जून में कम हुई बारिश, धान का रकबा भी घटा

फिलहाल ऐसी वर्षा नहीं हो सकी, जिससे हो सके रोपाई

किसान असमंजस में धान के बजाय देंगे बाजरा को महत्व

यूनिक समय, मथुरा। मानसून नहीं आने से जिले में सूखे जैसे हालात बन रहे हैं। मौसम में बदलाव को देखते हुए इस साल धान का रकबा भी 25 फीसदी तक कम होने की आशंका है। जून में लक्ष्य के सापेक्ष महज 22 फीसदी ही वर्षा हुई है। इस कारण धान की फसल पर संकट के बादल छाए हुए हैं।

वर्षा के इंतजार में खराब होती धान की नर्सरी।

जिला कृषि अधिकारी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार, इस साल जून में 62.20 मिमी के सापेक्ष महज 19.40 मिमी बारिश हुई है। जबकि बीते साल इसी दौरान 82.20 मिमी लक्ष्य के सापेक्ष 83.80 मिमी बारिश जिले में दर्ज की गई थी।

मई में 10.10 मिमी के सापेक्ष इस बार दो मिमी बारिश हुई, जबकि बीते साल 15.20 मिमी बारिश हुई थी। अप्रैल में इस साल 6.20 मिमी के सापेक्ष 3.20 मिमी बारिश हुई, जबकि बीते साल इसी दौरान 9.40 मिमी बारिश हुई थी। बारिश नहीं होने से किसानों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। गांव झुड़ावई के किसान हरगोविंद का कहना है कि धान की नर्सरी जून में डाली है। हर तीसरे दिन सिंचाई करनी पड़ रही है। बारिश नहीं होने के कारण नर्सरी की वृद्धि नहीं हो रही है। सूखे जैसे हालात में धान की फसल काफी मुश्किल वाली होगी। वहीं, गांव परखम के किसान रामकिशन का कहना है कि धान की नर्सरी खेत में डाली है। एक सप्ताह में नर्सरी तैयार हो जाएगी। बिना बारिश के धान लगाना जोखिम भरा है। बारिश होने पर ही फसल को फायदा होगा। नहीं तो सिंचाई में दिक्कत होगी।

जहां पानी नहीं, वहां करें मोटे अनाज की बोआई

जिला कृषि अधिकारी अशोक कुमार ने बताया कि बीते साल जिले में 1.51 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में धान की बोआई की गई थी। इस बार बारिश नहीं होने से सूखे जैसे हालात बन रहे हैं। ऐसे में धान की फसल का रकबा करीब 15 फीसदी तक कम होने का अंदेशा है। किसानों को ज्वार, बाजरा, मक्का समेत अन्य फसलों के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

स्वच्छ ब्रज को अधिकारियों और समाजसेवियों ने किया श्रमदान

रविवार को गोवर्धन परिक्रमा मार्ग में ब्रज स्वच्छता अभियान के अंतर्गत श्रमदान करते मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, उद्योगपति सुरेश कौशिक। गऊघाट पर श्रमदान अभियान के दौरान कचरा एकत्र करते स्वयं सेवक।

रविवार को गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर चला स्वच्छता श्रमदान

गऊघाट पर 250 स्वयंसेवकों ने कचरा हटाकर लगाए पौधे

यूनिक समय, मथुरा। 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' महाअभियान के अंतर्गत रविवार को गोवर्धन परिक्रमा मार्ग पर स्वच्छता को श्रमदान हुआ। अभियान में स्वयंसेवी संस्थाओं, शिक्षण संस्थानों, उद्योग जगत और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और नागरिकों ने भाग लिया। मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप ने स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, जिला प्रशासन, पर्यटन विभाग और नगर निगम के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को उज्ज्वल ब्रज संस्था के तत्वावधान में संत गयाप्रसाद की समाधि और रमणरेती आश्रम से अभियान शुरू हुआ। स्वयंसेवकों ने परिक्रमा मार्ग की तलहटी से प्लास्टिक की बोतलें, पॉलीथिन, रैपर और अन्य कचरा एकत्र किया। श्रद्धालुओं ने भी अभियान में सहयोग करते हुए स्वच्छ ब्रज का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायन दास अग्रवाल, केडी यूनिवर्सिटी के चेयरमैन डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप गुप्ता, उमा मोटर्स के पवन चतुर्वेदी, ब्रजवासी ग्रुप के राजीव ब्रजवासी, के संस फाउंडेशन के सुरेश कौशिक, बेरीवाल रियल एस्टेट ग्रुप के कृष्णकांत बेरीवाल, उज्ज्वल ब्रज संस्था के सचिव अनंत शर्मा, हरिओम बाबा सहित मथुरा–वृंदावन विकास प्राधिकरण के सचिव आशीष सिंह, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी राजीव पांडेय, तकनीकी विशेषज्ञ आरपी सिंह, तपेश भारद्वाज सहित उक्त संस्थानों के अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, समाजसेवी और स्वयंसेवक शामिल रहे। वहीं रविवार को शहर के यमुना स्थित गऊघाट पर हार्टफुलनेस संस्था की ओर से स्वच्छता, पौधरोपण और जनजागरूकता कार्यक्रम हुआ। अभियान में मथुरा, आगरा, भरतपुर, इगलास, मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद, दिल्ली और अलीगढ़ से आए 250 से अधिक स्वयंसेवकों ने यमुना तट पर श्रमदान करते हुए एक ट्रॉली भर कचरा एकत्र किया और स्वच्छ यमुना का संदेश दिया। कार्यक्रम के अतिथि सहायक नगर आयुक्त राकेश त्यागी और उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के डिप्टी सीईओ सतीश चंद्र ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। हार्टफुलनेस के समन्वयक निशांत शर्मा ने कहा कि यमुना को स्वच्छ रखना केवल प्रशासन का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

उन्होंने सूक्ष्म प्रदूषकों, धार्मिक कचरे और बढ़ते प्रदूषण के प्रति लोगों को जागरूक रहने का आह्वान किया। अनुपम अग्रवाल ने एकल उपयोग वाले प्लास्टिक से दूरी बनाकर पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने की अपील की। कार्यक्रम में सुरेंद्र शर्मा, महेश, सुभाष, ऋषि तोमर, जेपी सिंह, संजय शर्मा सहित कई गणमान्य नागरिक और स्वयंसेवक मौजूद रहे। अभियान के माध्यम से स्वच्छ, हरित और दिव्य ब्रज के निर्माण का संदेश जन–जन तक पहुंचाया गया।

अग्रवाल महासभा ने किया अग्रसेन की प्रतिमा पर माल्यार्पण

यूनिक समय, मथुरा। अग्रसेन चौक मसानी स्थित अग्रसेन महाराज की प्रतिमा पर अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा रजि. ने माल्यार्पण, दीप प्रज्ज्वलन और आरती का भव्य आयोजन किया गया। अध्यक्षता जिलाध्यक्ष मंतोष कुमार अग्रवाल और महिला प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष नीलम अग्रवाल ने की।

इस अवसर पर महाराजा अग्रसेन को तिलक, माला पहनाकर भोग अर्पित किया गया, दीप प्रज्ज्वलित कर आरती उतारी गई।

कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों ने महाराजा अग्रसेन जी के आदर्शों पर अपने विचार व्यक्त किए। पूरा वातावरण अग्रसेन के जयकारों से गूंज उठा। कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल और वरिष्ठ सदस्य मीरा अग्रवाल ने प्रसाद, फूल–माला और स्वल्पाहार की व्यवस्था की।

इस अवसर पर कृष्ण मुरारी नेताजी, डॉ. अशोक अग्रवाल, राष्ट्रीय मंत्री योगेंद्र गोयल (ट्रेजरी), उपाध्यक्ष कन्हैया लाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल, संगठन मंत्री योगेश गोयल, प्रचार मंत्री अजय अग्रवाल, मनोज अग्रवाल (इनवर्टर वाले), सूर्यकांत, नितिन अग्रवाल और योगेश टोंटी वाले शामिल रहे। महिला प्रकोष्ठ की ओर से प्रदेश अध्यक्ष मीनाक्षी अग्रवाल, महामंत्री रचना अग्रवाल, रिंकल अग्रवाल और अंजना अग्रवाल सहित अनेक सदस्यों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।

मसानी चौक स्थित अग्रसेन महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण करते अग्रवाल महासभा के पदाधिकारी।

भाजपा ने चुनाव की रणनीति पर किया मंथन

भाजपा शेरगढ़ मंडल की बैठक में कार्यकर्ताओं के साथ पदाधिकारी।

यूनिक समय, शेरगढ़। शेरगढ़ मंडल के भाजपाइयों ने मासिक बैठक में आने वाले चुनाव की रणनीति को लेकर मंथन कर क्षेत्र की जन समस्याओं को लेकर चर्चा भी की। मुख्य वक्ता मंडल प्रभारी जिला मंत्री रनवीर सिंह ने कार्यकर्ताओं से पार्टी को मजबूत बनाने के साथ–साथ पार्टी की नीति पर चलने का संकल्प दिलाया।

इस मौके पर शेरगढ़ मंडल अध्यक्ष गजेंद्र प्रधान, बांकेलाल गर्ग राधेश्याम प्रधान, अजीत सिंह छौकर, रंजीत सिंह, सिद्धार्थ सिंह और योगेश सिंह आदि मौजूद थे।

देहव्यापार अधिनियम में 13 गिरफ्तार छह महिलाओं का भी कराया रैस्क्यू

यूनिक समय, मथुरा। राया पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत 13 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही छह पीड़ित महिलाओं को रैस्क्यू किया।

पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्तों में श्यामसुंदर निवासी गांव सिहोरा थाना यमुनापार, सुनील कुमार निवासी गोहदरपुर सिरिया की नगरिया थाना यमुनापार, पवन, मनीष निवासी गौसना, कौशल निवासी खप्परपुर, कय्यूम निवासी प्रतापनगर यमुनापार, राम निवासी सुहागनगर थाना दक्षिण फिरोजाबाद, नरेश निवासी गौसना, यमुनापार, बाबूलाल निवासी रोशन बिहार कॉलोनी लोहवन ,यमुनापार,अमित निवासी कृष्णा एन्गोलम कॉलोनी लोहवन, यमुनापार अमित कुमार निवासी रोशन बिहार कॉलोनी, यमुनापार, अजय निवासी गंगा नगला थाना राया, राजू निवासी गौसना को गिरफ्तार किया है। कई होटल संचालक फरार बताए गए हैं, जबकि पकड़े लोगों में तीन होटल संचालक भी हैं।

ईसीई ब्रांच के विद्यार्थियों का 97 प्रतिशत प्लेसमेंट

छात्र–छात्राओं के साथ चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ।

यूनिक समय, मथुरा। इस वर्ष 2025–2026 में बीएसए कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टैक्नोलॉजी मथुरा के बीटेक के इलैक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग (ईसीई) ब्रांच के 97 प्रतिशत छात्रों ने राष्ट्रीय-बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में रोजगार प्राप्त किया ।

इलैक्ट्रोनिक्स एंड कम्यूनिकेशन के विभागाध्यक्ष रंजीत सिंह ने बताया कि रोजगार देने के कारण ईसीई लगातार छात्रों की पसंद बनी हुई है,छात्रों को हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर के साथ–साथ सरकारी नौकरी की कमी महसूस नहीं हुई है। ट्रेनिग एंड प्लेसमेंट विभागाध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि छात्र–छात्राओं ने कोर और आईटी क्षेत्र कंपनियों जैसे ओपो मोबाइल, वीवीडीएन टैक्नोलॉजी, हाईटैक ऑडियो, केलकोम, पीआईसीएल, एक्जीकॉम, जेएनएस इंस्ट्रूमेंट्स लिमिटेड, इंडस टावर्स, एलकॉम्पोनिक्स, ई2ई रिसर्च, सत्यम सॉफ्टवेयर आदि में उच्च पैकेज पर रोजगार प्राप्त किया।

चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ने कहा कि ईसीई विभाग वर्तमान समय में इंजीनियरिंग की सबसे उभरती हुई शाखाओं में से एक है। दूरसंचार, सेमीकंडक्टर, एम्बेडेड सिस्टम, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रोबोटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित हार्डवेयर और रक्षा-अंतरिक्ष अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में ईसीई इंजीनियरों की मांग लगातार बढ़ रही है। भारत में सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र के तेजी से विस्तार के कारण इस शाखा के विद्यार्थियों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। संस्थान के वाइस चेयरमैन इंजीनियर नितिन मित्तल, संस्थान निदेशक प्रो. श्याम सुन्दर अग्रवाल ने छात्रों के चयन होने पर बधाई दी।

वृंदावन में घंटों बिजली गुल, जिम्मेदारों पर उठे सवाल

प्रमुख संवाददाता

जनप्रतिनिधियों को जनता की परेशानी से कोई मतलब नहीं

कई बार फोन करने के बाद भी ठीक नहीं होती शिकायत

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में विद्युत आपूर्ति अव्यवस्था फेल नजर आ रही है। रोजाना किसी न किसी क्षेत्र के लोग अधिकारियों को फोन करके परेशान हो चले हैं, लेकिन वह जनता की बात सुनने को तैयार नहीं है।

अभिताभ गुप्ता का कहना है कि केशीघाट मोहल्ला, आधा खपटिया घेरा, आंशिक गोपीनाथ बाजार,गोपश्वर रोड, आंशिक गोपीनाथ बाग अब अति पिछड़े इलाके से हो गए हैं। पिछले कुछ दिनों से यहां बिजली समस्या बहुत बुरी चल रही हैं, लेकिन किसी का ध्यान नहीं हैं आये दिन केबिल मे फाल्ट आ जाते हैं जिसके कारण दिन में आठ से नौ घंटे बिजली नहीं मिलती हैं। इस गर्मी में क्या हाल हो रहा है, इसकी किसी कोई परवाह नहीं हैं। सब जनप्रतिनिधि कहां गए, किसी पता नहीं हैं।

आशीष अग्रवाल का कहना है कि जरा सी बारिश में विद्युत लाइनों में फाल्ट होने की बात सामने आती हैं। फाल्टों को ढूंढने के बहाने कई–कई घंटे विद्युत आपूर्ति गुल रहती है। छीपी गली,बनखंडी महादेव क्षेत्र में फेस न आने से विद्युत आपूर्ति लड़खड़ा गई है। इस कारण क्षेत्र के लोग उमस भरी गर्मी में परेशान नजर आ रहे हैं। सिनेमा गली में शार्ट सर्किट होने से विद्युत लाइन के तार टूट गए। इस कारण क्षेत्र की विद्युत गुल हो गई। इसी तरह से वृंदावन में कहीं न कहीं से शिकायत मिल रही हैं। इस नगरी के लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधि तो कुछ बोलने को तैयार नहीं है। भले ही पूरी रात लाइट नहीं आए। मतलब साफ है कि जनप्रतिनिधियों के यहां सभी फेसों से विद्युत आपूर्ति मिल रही है। इसलिए उनको विद्युत आपूर्ति गुल होने का अहसास नहीं होता है।

गिरासू खंभा नहीं हो रहा सही

यूनिक समय, वृंदावन। कैलाश नगर आवासीय कालोनी के सेक्टर में रहने वाली ओमवती ने आठ जून को उपखंड अधिकारी को शिकायत भेजी थी कि सेक्टर 2/ 196 के पास लगा विद्युत खंभा गिरासू स्थिति में है। इस खंभे की विद्युत लाइन घर की बालकानी तक पहुंच रही हैं। कभी भी हादसा होने की आशंका रहती है। हैरानी की बात तो शिकायत हुए एक माह बीतने के बाद भी समस्या का निराकरण नहीं हो सका है।

गिलोय का सेवन करने से शरीर में नहीं रहेगी खून की कमी

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप खून की कमी को दूर करना चाहते हैं, तो आपको एक्सपर्ट के बताए अनुसार इसका सेवन करना चाहिए। इसके अलावा आप कई तरह से इसका सेवन कर सकते हैं। इससे आपको अलग–अलग फायदे मिलते हैं।

कई सारे हर्ब्स को आयुर्वेद में फायदेमंद माना जाता है। कई बीमारियों के इलाज में भी इन हर्ब्स का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसा ही एक हर्ब गिलोय है। गिलोय गुणों की खान है और आयुर्वेद में इसको अमृत कहा गया है। गिलोय को इम्यूनिटी बूस्टर के तौर पर जाना जाता है। लेकिन इसके ढेर सारे फायदे हैं। इसका सेवन करने से कई बीमारियों से बचाव होता है। आप गिलोय को कई तरह से अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। लेकिन अगर आप खून की कमी को दूर करना चाहते हैं, तो आपको एक्सपर्ट के बताए अनुसार इसका सेवन करना चाहिए। इसके अलावा आप कई तरह से इसका सेवन कर सकते हैं। इससे आपको अलग–अलग फायदे मिलते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि शरीर में खून की कमी को दूर करने के लिए किस तरह से गिलोय का सेवन करना चाहिए।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, आयुर्वेद में गिलोय को लेने के कई तरीके बताए गए हैं। आप गिलोय चूर्ण का सेवन कर सकते हैं या फिर इसकी पत्तियों को पानी में उबालकर पी सकते हैं। वहीं आप गिलोय की पत्तियों को शहद के साथ ले सकते हैं। स्किन एलर्जी की समस्या होने पर गिलोय की पत्तियों का पेस्ट भी लगाया जा सकता है। बदलते मौसम में कफ और कोल्ड से परेशान हों या बुखार से पीड़ित हों, तो गिलोय, अदरक और तुलसी की पत्तियां आपको फायदा पहुंचा सकती है। गिलोय का सेवन करने से शरीर में खून की कमी दूर होती है। रोजाना गिलोय का सेवन करने से खून साफ होता है और बॉडी डिटॉक्स होती है। रोजाना सुबह खाली पेट एक गिलास गिलोय का जूस खून की कमी को दूर करता है। एनीमिया बीमारी होने पर गिलोय की पत्तियों को पीसकर इसे शहद और घी के साथ सेवन करना लाभकारी होता है। इसके अलावा गिलोय, आंवला, अदरक और काले नमक में मिलाकर ब्लेंड कर इसका सेवन कर सकती हैं।

शर्ट के कॉलर और स्लीव्स में लगे जिद्दी दागों से हैं परेशान

यूनिक समय, मथुरा। शार्ट के कॉलर और स्लीव्स में मौजूद गंदगी को हटाने में अक्सर लोगों के पसीने छूट जाते हैं।

अगर आप भी अक्सर शर्ट पहनते हैं तो आपको पता होगा कि शर्ट के कॉलर और स्लीव्स में सबसे ज्यादा गंदगी जमा होती है। शर्ट में मौजूद गंदगी को रिमूव करने के लिए आपको महंगे–महंगे डिटर्जेंट्स पर पैसे खर्च करने की जरूरत नहीं है। कुछ घरेलू नुस्खों की मदद से आप बहुत ही आसानी से शर्ट की गंदगी को हटाकर चकाचक साफ कर सकते हैं। आइए मैली शर्ट को साफ करने के कुछ तरीकों के बारे में जानते हैं।

यूज कर सकते हैं सोडा वॉटर : आपको जानकर हैरानी हो सकती है कि सोडा वॉटर आपकी शर्ट पर मौजूद गंदगी का सफाया कर सकता है। सबसे पहले थोड़ा सा सोडा वॉटर लेकर शर्ट के मैले हिस्से पर लगाकर सूखने के लिए छोड़ दीजिए। जब सोडा वॉटर सूख जाए, तब आप किसी भी डिटर्जेंट पाउडर को यूज कर शर्ट को धो लीजिए और खुद–ब–खुद पॉजिटिव असर देखिए।

तो अपनाएं ये उपाय

इस तरीके से भी साफ हो सकती है गंदगी : शर्ट के कॉलर और स्लीव्स पर जमा गंदगी को हटाने के लिए सबसे पहले आपको सिर्फ शर्ट के कॉलर और स्लीव्स को गीला कर लेना है। इसके बाद एक मग में थोड़ा सा लिक्विड डिटर्जेंट निकाल लीजिए और फिर इसी पानी में शर्ट के कॉलर और स्लीव्स को लगभग एक घंटे के लिए डुबोकर रख दीजिए। जब आप पानी से शर्ट को निकालकर गंदगी वाले हिस्से को रब करेंगे, तो आपकी शर्ट एकदम नई जैसी दिखाई देने लगेगी।

इस्तेमाल कर सकते हैं नींबू : नींबू में पाए जाने वाले तमाम तत्व आपके कपड़ों को क्लीन करने में मददगार साबित हो सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि नींबू के रस में साइट्रिक एसिड होता है, जो एक नेचुरल ब्लीचिंग एजेंट है।

यही वजह है कि नींबू जैसे पावरफुल क्लीनिंग एजेंट को कपड़ों को साफ करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

कमर तक लंबे बालों के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

कुछ ही दिनों में बढ़ जाएगी बालों की ग्रोथ

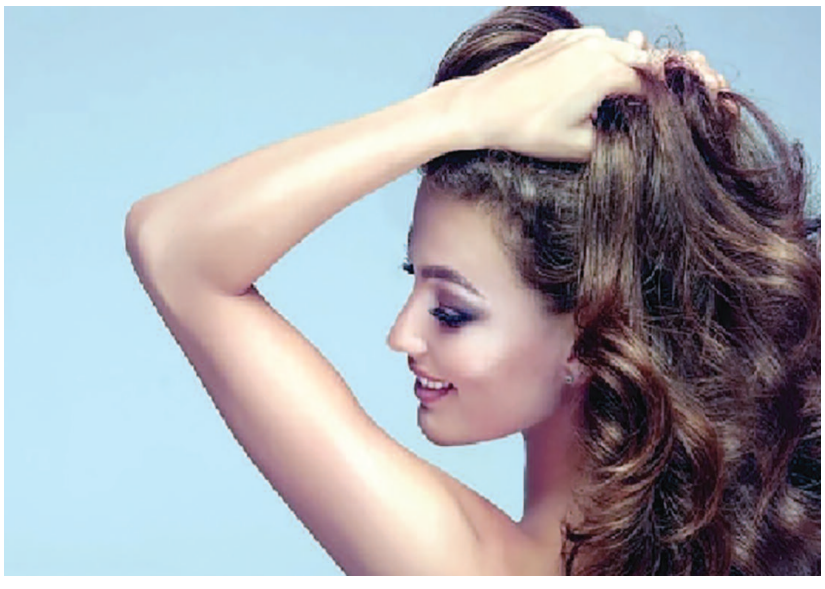

यूनिक समय, मथुरा। कई लड़कियों व महिलाओं को लंबे बाल पसंद होते हैं, तो कुछ को छोटे। कई लड़कियां चाहती हैं कि उनके बाल झड़ना बंद हो जाएं और बालों की अच्छी ग्रोथ हो। जिसके लिए हम कई तरह के शैंपू और हेयर प्रोडक्ट का भी इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इन प्रोडक्ट में केमिकल होने के कारण हमारे बाल रूखे और बेजान होने लगते हैं। ऐसे में अगर आप भी घुटनों तक लंबे बाल चाहती हैं, तो हम आपको कुछ नुस्खे बताने जा रहे हैं। इन नुस्खो को आजमाने के बाद आपके कमर तक लंबे बालों का सपना सच हो जाएगा। तो आइए जानते हैं इन नुस्खों के बारे में...

नारियल तेल में मिलाकर लगाएं ये चीजें

अगर आप अपने बालों को कमर जितना लंबा करना चाहती हैं, तो चार बड़े चम्मच नारियल तेल गर्म कर उसमें 2 चम्मच एलोवेरा जेल और एक बड़ा चम्मच अरंडी का तेल मिलाकर बालों में अप्लाई करें। फिर 20–25 मिनट तक इसे बालों में लगाए रहने के लिए हेयर वॉश करें। महीने भर में आपको इसका असर दिखेगा।

दही में मिलाकर लगाएं ये चीज

बालों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए 2 कप दही, 2 चम्मच नारियल का तेल और 2 चम्मच एलोवेरा जेल मिलाकर बालों में 30 मिनट के लिए अप्लाई करें। फिर नॉर्मल पानी से बालों को धो लें। सप्ताह में एक बार इस नुस्खे को आजमाने से आपको असर दिखने लगेगा।

सरसों के तेल में मिलाएं ये बीज

हमारे बालों के लिए सरसों का तेल काफी फायदेमंद होता है। पुराने समय से बालों में इस तेल का इस्तेमाल किया जाता है।

अगर आप सरसों के तेल में मेथी दाने मिलाकर बालों पर लगाते हैं, तो आपके बाल तेजी से ग्रोथ करेंगे। एक कटोरी सरसों के तेल में 2 चम्मच मेथी दाने को गर्म कर लें। फिर तेल ठंडा होने पर इसे बालों में अप्लाई करें।

सौंफ का करें सेवन

यदि आपके बाल झड़ते हैं और उनकी ग्रोथ कम हो गई है, तो आप सौंफ का सेवन करना शुरूकर दें। इससे बालों का झड़ना कम होगा और बाल मजबूत बनेंगे। वहीं बालों से रूसी की समस्या कम होगी और बाल शाइनी होंगे।

ऐसे प्लान करें ट्रिप : नेचर लवर के लिए बेस्ट जगह है पश्चिम बंगाल का सुंदरवन

यूनिक समय, मथुरा। अगर आप भी सुंदरवन को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो हम आपको इस आर्टिकल के जरिए सुंदरवन की ट्रिप की पूरी प्लान बताने जा रहे हैं। यहां की प्राकृतिक सुंदरता और शांत माहौल आपके मन को सुकून देने का काम करेगा।

अगर आप भी कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, लेकिन यह समझ नहीं आ रहा है कि कहां घूमने जाएं, तो आप पश्चिम बंगाल में सुंदरवन को एक्सप्लोर कर सकते हैं। सुंदरवन दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव जंगल हैं। इसके साथ ही सुंदरवन में रॉयल बंगाल टाइगर भी रहते हैं। ुंदरवन की प्राकृतिक सुंदरता और शांत माहौल आपके मन को सुकून देने का काम करेगा। ऐसे में अगर आप भी सुंदरवन को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो हम आपको इस आर्टिकल के जरिए सुंदरवन की ट्रिप की पूरी प्लान बताने जा रहे हैं। आपको बता दें कि सुंदरवन पश्चिम बंगाल की एक बेहद खूबसूरत और प्राकृतिक जगह है। यह दुनिया का सबसे बड़ा डेल्टा और मैंग्रोव जंगल है। यहां पर खारे पानी का मगरमच्छ, रॉयल बंगाल टाइगर और कई तरह के पशु–पक्षी देखने को मिलते हैं। ऐसे में अगर आप नेचर लवर है और आप एडवेंचर पसंद करते हैं, तो यह जगह आपके लिए बेस्ट है।

कब प्लान करें ट्रिप : सुंदरवन जाने का सबसे अच्छा समय नवंबर से मार्च के बीच होता है। क्योंकि इस दौरान मौसम ठंडा और सुहावना रहता है। जिससे सफर का मजा दोगुना हो जाता है। वहीं नवंबर से मार्च का समय घूमने और वन्यजीव देखने के लिए परफेक्ट होता है।

कैसे पहुंचे सुंदरवन : कोलकाता से सुंदरवन की दूरी 100 किमी है। ऐसे में आप ट्रेन, बस या फिर टैक्सी के माध्यम से पहले कोलकाता से गोसाबा या सजनखेड़ा जाएं। फिर बोट सफारी का लुत्फ उठाते हुए सुंदरवन जा सकते हैं। वहीं कोलकाता से गोसाबा और काकद्वीप के लिए कई ट्रेनें भी चलती हैं। जहां से बोट के माध्यम से आप सुंदरवन पहुंच सकते हैं। कोलकाता से सुंदरवन के लिए आप बस या टैक्सी भी कर सकते हैं।

कहां रुकें: सुंदरवन में रुकने के लिए आपको कई रिसॉर्ट और होटल मिल जाएंगे। यहां पर नदी किनारे बने रिसॉर्ट्स से सुंदर नज़ारे देख सकते हैं। आप स्टे के लिए पहले से भी बुकिंग करवा सकते हैं।

बोट सफारी : बता दें कि यहां पर आकर्षण का केंद्र बोट सफारी है। आप बोट में बैठकर जंगल का सफर कर सकते हैं और मगरमच्छ, पक्षियों व रॉयल बंगाल टाइगर देख सकते हैं।

नेचर वॉक : इसके अलावा आप सुंदरवन में वॉक कर सकते हैं। यहां का शांत और हरा–भरा वातावरण आपके मन को सुकून पहुंचाने का काम करता है।

वॉच टावर: यहां पर कई वॉच टावर हैं। ऐसे में आप वॉच टावर से जंगल का खूबसूरत नजारा देख सकते हैं। सुंदरवन में सजनखेड़ा और दोबांकी वॉच टावर प्रमुख हैं।

स्थानीय संस्कृति : सुंदरवन के गांवों में जाकर स्थानीय संस्कृति और लाइफस्टाइल से रूबरू हो सकते हैं।

सुविचार

जिंदगी को आसान नहीं, बेहतर बनाओ।

कल का पंचांग

तिथि	सप्तमी 01:47-04:24 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	उत्तरभाद्रपदा 04:07-04:24 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय	5:34 AM	चन्द्रोदय	11:15 PM
सूर्यास्त	7:14 PM	चंद्रास्त	11:56 AM
सूर्य राशि	मिथुन राशि	चंद्र	मीन राशि
शुभ मुहूर्त	11:56AM -12:50 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	07:16 AM: 08:59 AM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नई योजनाएं लाभ देंगी। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। यात्रा के योग बन सकते हैं।

मिथुन: करियर में नए अवसर मिलेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें। मित्रों का सहयोग मिलेगा। मानसिक तनाव कम होगा।

कर्क: परिवार में खुशियां आएंगी। रुके कार्य पूरे होंगे। नौकरी में सम्मान मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयम बनाए रखें।

सिंह: आत्मविश्वास से सफलता मिलेगी। व्यापार में लाभ होगा। नए संपर्क बनेंगे। जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा।

कन्या: मेहनत का पूरा फल मिलेगा। आर्थिक लाभ संभव है। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। विवादों से बचें।

तुला: दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें। कार्यक्षेत्र में प्रशंसा मिलेगी। सेहत सामान्य बनी रहेगी।

वृश्चिक: नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। धैर्य रखें। परिवार का साथ मिलेगा। अनावश्यक खर्चों से बचना बेहतर रहेगा।

धनु: भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी और व्यापार में प्रगति होगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

मकर: कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। परिवार के साथ समय बिताएं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

कुंभ: नई योजनाएं लाभदायक रहेंगी। मित्रों से सहयोग मिलेगा। करियर में उन्नति के संकेत हैं। आत्मविश्वास बनाए रखें।

मीन: मन शांत रहेगा। रुका धन मिलने की संभावना है। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। यात्रा लाभदायक हो सकती है।

नौकरी और बिजनेस में तरक्की चाहिए तो धारण करें टाइगर स्टोन

जानिए इसको धारण करने का सही तरीका

यूनिक समय, मथुरा। रत्न शास्त्र में रत्नों का खास महत्व बताया गया है। जो भी जातक नौकरी या बिजनेस में तरक्की चाहते हैं, उनको टाइगर स्टोन धारण करने की सलाह दी जाती है। तो आइए जानते हैं इस रत्न को धारण करने का नियम और फायदे के बारे में।

रत्न शास्त्र में रत्नों का खास महत्व बताया गया है। रत्न शास्त्र में कई ऐसे रत्नों के बारे में बताया गया है, जिनको धारण करने से व्यक्ति की कुंडली में कमजोर ग्रहों के अशुभ प्रभाव कम होते है। जिंदगी के तमाम पहलुओं और उनसे जुड़ी समस्याओं के लिए अलग-अलग रत्नों के बारे में बताया गया है। कुंडली में ग्रह दोष होने पर उससे संबंधित रत्न धारण करने से व्यक्ति को राहत मिलती है।

आज हम आपको एक ऐसे ही रत्न के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसको पहनने से जीवन की तमाम परेशानियां दूर होती हैं। इस रत्न का नाम टाइगर स्टोन है। हालांकि इस रत्न को नवरत्नों में शामिल नहीं किया जाता है। लेकिन जो भी जातक नौकरी या बिजनेस में तरक्की चाहते हैं, उनको टाइगर स्टोन धारण करने की सलाह दी जाती है। तो आइए जानते हैं इस रत्न को धारण करने का नियम और फायदा...

कब और कैसे धारण करें यह रत्न

किसी भी माह की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को टाइगर स्टोन धारण कर सकते हैं। यदि आप कुंडली में सूर्य को मजबूत करना चाहते हैं, तो रविवार के दिन इस रत्न को अनामिका उंगली में धारण करें। कुंडली में चंद्रमा को मजबूत करने के लिए सोमवार के दिन इस रत्न को अनामिका उंगली में पहनें। मंगल ग्रह को मजबूत करने के लिए मंगलवार के दिन टाइगर स्टोन को तर्जनी उंगली में पहनें। यदि आप शनि ग्रह को मजबूत करना चाहते हैं, तो शनिवार के दिन टाइगर स्टोन को मध्यमा उंगली में धारण कर सकते हैं।

ये लोग धारण कर सकते हैं टाइगर स्टोन

मेष, धनु और मीन राशि के जातक टाइगर स्टोन को धारण कर सकते हैं। हालांकि इस रत्न को धारण करने से पहले किसी ज्योतिष की सलाह जरूर लें। ध्यान रखें कि यह रत्न कम से कम सवा आठ रत्ती का होना चाहिए।

ये लोग न धारण करें टाइगर स्टोन

रत्न शास्त्र के मुताबिक इस रत्न का स्वामी मंगल और सूर्य ग्रह है। इसलिए वृषभ, तुला, मकर, कुंभ और कन्या राशि वाले लोगों को इस रत्न को धारण नहीं करना चाहिए। क्योंकि इन राशि वाले जातकों को टाइगर स्टोन का शुभ फल नहीं मिलता है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

रत्न को धारण करने का नियम और फायदा...

इस रत्न के नाम की तरह ही इसमें पीले और काले रंग की धारियां होती हैं। टाइगर रत्न सबसे ज्यादा प्रभावशाली और जल्दी फल देने वाला माना जाता है। रत्न शास्त्र के मुताबिक इस रत्न को धारण करने से कुंडली में सूर्य और चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है। इस रत्न को धारण करने से व्यक्ति के आत्मविश्वास में वृद्धि होती है और यह रत्न व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति व समृद्धि लाता है। वहीं मानसिक तनाव कम होता है और जातक हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करता है।

हथेली का राहु पर्वत खोल सकता है सफलता के नए द्वार

यूनिक समय, मथुरा। हस्तरेखा विज्ञान में हथेली के मध्य भाग में स्थित राहु पर्वत को संघर्ष, आत्मविश्वास और अचानक मिलने वाले अवसरों का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि यदि यह पर्वत संतुलित, साफ और हल्का उभरा हुआ हो, तो व्यक्ति में कठिन परिस्थितियों का सामना करने की क्षमता अधिक होती है और उसे करियर, व्यापार या अन्य क्षेत्रों में अप्रत्याशित सफलता मिल सकती है।

ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार मजबूत राहु पर्वत वाले लोग जोखिम लेने से नहीं घबराते, नेतृत्व क्षमता रखते हैं और चुनौतियों को अवसर में बदलने का प्रयास करते हैं। वहीं यदि राहु पर्वत दबा हुआ, असंतुलित या टेढ़ा-मेढ़ा दिखाई दे, तो इसे निर्णय लेने में कठिनाई, मानसिक उलझन और बार-बार बाधाओं का संकेत माना जाता है।

हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि केवल राहु पर्वत देखकर किसी व्यक्ति का भविष्य तय नहीं किया जा सकता। सही आकलन के लिए हथेली की अन्य रेखाओं और पर्वतों का भी अध्ययन आवश्यक होता है।

हस्तरेखा विज्ञान संभावनाओं की ओर संकेत करता है, लेकिन सफलता का सबसे बड़ा आधार व्यक्ति के कर्म, सही निर्णय और निरंतर मेहनत ही माने जाते हैं। इसलिए राहु पर्वत को शुभ संकेत माना जा सकता है, लेकिन जीवन में आगे बढ़ने के लिए सकारात्मक प्रयास और आत्मविश्वास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं।

गलत अंगुली में शनि छल्ला पहनना पड़ सकता भारी

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में शनि ग्रह के अशुभ प्रभाव, साढ़ेसाती या ढैय्या से राहत पाने के लिए शनि का लोहे का छल्ला पहनने की सलाह दी जाती है। हालांकि मान्यता है कि इसे सही अंगुली में पहनना बेहद जरूरी है, अन्यथा लाभ की जगह विपरीत परिणाम मिल सकते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शनि का छल्ला हमेशा दाहिने हाथ की मध्यमा (मिडिल फिंगर) में शनिवार के दिन धारण करना शुभ माना जाता है। यह अंगुली शनि ग्रह से संबंधित मानी जाती है और इसी में पहनने से सकारात्मक प्रभाव प्राप्त होने की मान्यता है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार भूलकर भी शनि का छल्ला अनामिका (रिंग फिंगर) में नहीं पहनना चाहिए। अनामिका सूर्य ग्रह की अंगुली मानी जाती है। सूर्य और शनि के बीच विरोध का संबंध माना जाता है, इसलिए इस अंगुली में छल्ला पहनने से करियर, पारिवारिक संबंध और बनते कार्यों में बाधाएं आने की मान्यता है। किसी भी ज्योतिषीय उपाय को अपनाने से पहले योग्य ज्योतिष विशेषज्ञ की सलाह लेना उचित माना जाता है।

चातुर्मास से पहले ही क्यों थमते हैं मांगलिक कार्य?

यूनिक समय, मथुरा। सनातन धर्म में चातुर्मास को तप, साधना और आत्मसंयम का विशेष काल माना जाता है। इस वर्ष चातुर्मास का शुभारंभ 25 जुलाई 2026 को देवशयनी एकादशी से होगा। हालांकि, एक रोचक तथ्य यह है कि विवाह, गृह प्रवेश, मुंडन और अन्य मांगलिक कार्य 12 जुलाई से ही बंद हो जाएंगे। ऐसे में लोगों के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब चातुर्मास 25 जुलाई से शुरू हो रहा है, तो शुभ कार्य पहले ही क्यों रोक दिए जा रहे हैं।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, इसका संबंध गुरु (बृहस्पति) ग्रह के वार्धक्य और अस्त होने से है। 12 जुलाई की सुबह से गुरु ग्रह वार्धक्य अवस्था में प्रवेश करेंगे, जबकि 15 जुलाई को वे अस्त हो जाएंगे। ज्योतिष शास्त्र में गुरु को विवाह और अन्य शुभ संस्कारों का प्रमुख कारक माना गया है। इसलिए गुरु के अशुभ प्रभाव के कारण 12 जुलाई के बाद मांगलिक कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त नहीं माने जाएंगे। इस प्रकार 12 जुलाई इस सीजन का अंतिम पंचांगीय सावा होगा।

इसके बाद 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी के साथ भगवान विष्णु चार माह के लिए योगनिद्रा में चले जाएंगे और चातुर्मास आरंभ हो जाएगा। धार्मिक मान्यता है कि इस अवधि में भगवान शिव सृष्टि के संचालन का दायित्व संभालते हैं। चातुर्मास का समापन देवउठनी एकादशी पर होगा, जिसके बाद विवाह और अन्य शुभ कार्य दोबारा शुरू होंगे।

12 जुलाई से थमेंगे मांगलिक कार्य

गुरु अस्त होने से थमेंगे सभी शुभ कार्य

देवशयनी एकादशी से शुरू होगा पावन चातुर्मास काल

चार महीनों तक नही होंगे विवाह और गृहप्रवेश

धर्मग्रंथों के अनुसार चातुर्मास केवल मांगलिक कार्यों पर विराम का समय नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति का अवसर भी है। इस दौरान भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और भगवान शिव की पूजा, 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' मंत्र का जप, श्रीमद्भागवत, भगवतगीता और रामचरितमानस का पाठ विशेष फलदायी माना गया है। जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और दान देने के साथ सात्विक भोजन, संयमित जीवन और सकारात्मक विचार अपनाने की भी सलाह दी जाती है।

वहीं, चातुर्मास में विवाह, गृह प्रवेश, सगाई, मुंडन जैसे मांगलिक संस्कारों से परहेज करने, तामसिक भोजन, मद्यपान, मांसाहार, असत्य और अपमानजनक व्यवहार से दूर रहने की परंपरा है।

धर्माचार्यों का मानना है कि चातुर्मास आत्मशुद्धि, भक्ति और सेवा का काल है। इस दौरान किए गए जप, तप, व्रत और दान का पुण्य कई गुना बढ़कर मिलता है और व्यक्ति के जीवन में सुख, शांति तथा आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है।

सम्पादकीय

एआई की चूक कहीं न्याय पर भारी न पड़े

भारत की न्याय व्यवस्था में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का बढ़ता उपयोग जितना संभावनाओं से भरा है, उतना ही गंभीर जोखिम भी पैदा कर रहा है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने एक मामले की सुनवाई के दौरान जिस तरह राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के फैसले में काल्पनिक न्यायिक उद्धरण मिलने पर चिंता जताई, उसने स्पष्ट कर दिया कि तकनीक पर आंख मूंदकर भरोसा करना न्याय के लिए घातक हो सकता है।

पवन गौतम
संपादक

यह मामला केवल एक तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि न्यायिक व्यवस्था की विश्वसनीयता से जुड़ा प्रश्न है। यदि किसी फैसले में ऐसे पैराग्राफ शामिल हो जाएं जो वास्तव में किसी निर्णय का हिस्सा ही न हों, तो यह केवल एक मुकदमे को प्रभावित नहीं करता, बल्कि पूरे न्याय तंत्र पर लोगों के भरोसे को कमजोर करता है। सबसे बड़ी चिंता तब होती है जब ऐसी गलती किसी वकील की नहीं, बल्कि स्वयं न्यायिक शोध प्रक्रिया का हिस्सा बन जाए। एआई की सबसे बड़ी ताकत उसकी गति है, लेकिन उसकी सबसे बड़ी कमजोरी यह है कि वह हमेशा सत्य और असत्य में अंतर नहीं कर पाता। कई बार वह ऐसे तथ्य या संदर्भ भी प्रस्तुत कर देता है जो वास्तविक नहीं होते। यदि इन्हें बिना मानवीय जांच के स्वीकार कर लिया जाए, तो न्याय के बजाय अन्याय होने का खतरा बढ़ जाता है। अदालतों में तो हर शब्द और हर संदर्भ का महत्व होता है, इसलिए यहां किसी भी तकनीकी सुविधा से अधिक मानवीय विवेक आवश्यक है।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

सर्वोच्च न्यायालय ने बार काउंसिल से एआई के उपयोग के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने को कहा है। यह स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन केवल नियम बना देना पर्याप्त नहीं होगा। यह भी तय होना चाहिए कि न्यायिक शोध में कौन-सा एआइ प्लेटफॉर्म इस्तेमाल किया जा सकता है, उसके स्रोत कितने विश्वसनीय हैं और अंतिम दस्तावेज की जिम्मेदारी किसकी होगी। हर एआई आधारित सामग्री का मानवीय सत्यापन अनिवार्य होना चाहिए। तकनीक न्याय व्यवस्था की सहायक बन सकती है, उसका विकल्प नहीं। शोध, दस्तावेज तैयार करने और सूचनाएं जुटाने में एआइ उपयोगी है, लेकिन अंतिम निर्णय न्यायाधीश के अनुभव, विवेक और कानून की गहरी समझ पर ही आधारित होना चाहिए। यदि सुविधा के नाम पर निर्णय प्रक्रिया मशीनों के भरोसे छोड़ दी गई, तो न्याय की निष्पक्षता पर प्रश्नचिन्ह लग सकते हैं। एआई का स्वागत होना चाहिए, लेकिन उतनी ही सावधानी के साथ। क्योंकि अदालतों में एक छोटी-सी चूक केवल एक फैसला नहीं बदलती, बल्कि न्याय में जनता के विश्वास को भी चोट पहुंचाती है। इसलिए तकनीक और मानवीय विवेक के बीच संतुलन ही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

नजरिया

20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल पर क्यों मचा बवाल!

बोध प्रकाश सगुणी

देश में पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण की नीति को लेकर इन दिनों तीखी बहस छिड़ी हुई है। एक ओर केंद्र सरकार इसे ऊर्जा आत्मनिर्भरता, किसानों की आय बढ़ाने और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बड़ा कदम बता रही है, वहीं दूसरी ओर कुछ वाहन मालिक, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और विपक्षी स्वर इस नीति पर गंभीर सवाल उठा रहे हैं। हाल के दिनों में कुछ वायरल वीडियो और वाहन खराब होने के दावों ने इस बहस को और तेज कर दिया है। ऐसे में सबसे महत्वपूर्ण सवाल यही है कि क्या वास्तव में एथनॉल 20 पेट्रोल वाहनों को नुकसान पहुंचा रहा है, या फिर यह मामला तथ्यों से अधिक धारणाओं और अपुष्ट दावों पर आधारित है?

बिहार के चर्चित यूट्यूबर मनीष कश्यप द्वारा अपनी नई एसयूवी में आई खराबी के लिए 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल को जिम्मेदार ठहराने के बाद यह मुद्दा राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में आ गया। सोशल मीडिया पर लाखों लोगों ने इस वीडियो को देखा और कई अन्य वाहन मालिकों ने भी माइलेज कम होने, इंजन की क्षमता घटने और ईंधन की गुणवत्ता पर सवाल उठाए। हालांकि किसी एक वाहन में आई खराबी को पूरे ईंधन कार्यक्रम की विफलता मान लेना वैज्ञानिक दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। किसी भी वाहन की तकनीकी खराबी के पीछे निर्माण दोष, ईंधन की गुणवत्ता, रखरखाव, ड्राइविंग परिस्थितियां या अन्य यांत्रिक कारण भी हो सकते हैं।

यही कारण है कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले तथ्यों और तकनीकी रिपोर्टों को समझना जरूरी है। अब तक किसी सरकारी एजेंसी या स्वतंत्र वैज्ञानिक अध्ययन ने यह स्थापित नहीं किया है कि निर्धारित मानकों के अनुसार उपलब्ध 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल आधुनिक एथनॉल अनुकूल वाहनों के इंजनों को स्थायी नुकसान पहुंचाता है। दूसरी ओर यह भी सच है कि यदि किसी पेट्रोल पंप पर ईंधन की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं है या उसमें पानी अथवा अन्य अशुद्धियां हैं, तो उसका असर किसी भी वाहन पर पड़ सकता है। ऐसी स्थिति में समस्या एथनॉल नहीं बल्कि ईंधन की गुणवत्ता नियंत्रण की होगी।

सरकार का पक्ष भी पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत वर्षों से कच्चे तेल के आयात पर भारी विदेशी मुद्रा खर्च करता रहा है। एथनॉल मिश्रण कार्य क्रम का उद्देश्य इस आयात पर निर्भरता कम करना, घरेलू कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देना और कार्बन उत्सर्जन में कमी लाना है। सरकार का दावा है कि एथनॉल मिश्रण से देश ने विदेशी मुद्रा की बड़ी बचत की है और किसानों को अतिरिक्त आय का स्रोत मिला है। यदि ये दावे वास्तविक आंकड़ों पर आधारित हैं, तो यह कार्यक्रम केवल ऊर्जा नीति नहीं बल्कि कृषि और अर्थव्यवस्था से जुड़ा व्यापक सुधार भी माना जा सकता है।

हालांकि किसी भी बड़ी नीति की सफलता केवल उसके उद्देश्य से नहीं बल्कि उसके क्रियान्वयन से तय होती है। यदि उपभोक्ताओं को पर्याप्त जानकारी नहीं मिलेगी, पुराने वाहनों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं होंगे और ईंधन की गुणवत्ता पर सख्त निगरानी नहीं होगी, तो स्वाभाविक रूप से भ्रम और असंतोष बढ़ेगा। यही इस पूरे विवाद का सबसे कमजोर पक्ष दिखाई देता है।

वाहन निर्माता कंपनियों का रुख अपेक्षाकृत संतुलित रहा है। अधिकांश प्रमुख कंपनियों ने स्पष्ट किया है कि अप्रैल 2023 के बाद निर्मित उनके अधिकांश पेट्रोल वाहन एथनॉल ईंधन के अनुरूप बनाए गए हैं। उद्योग संगठन भी मानता है कि एथनॉल के कारण माइलेज में कुछ कमी आ सकती है क्योंकि एथनॉल की ऊर्जा क्षमता सामान्य पेट्रोल से कम होती है। यही कारण है कि लगभग दो से चार प्रतिशत तक माइलेज घटना तकनीकी रूप से असामान्य नहीं माना जाता। लेकिन माइलेज में कमी और इंजन खराब होने जैसी बातें एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। इन दोनों को एक ही समस्या के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत अकेला ऐसा देश नहीं है जहां एथनॉल मिश्रित ईंधन का उपयोग हो रहा है। अमेरिका, ब्राजील और कई अन्य देशों में वर्षों से विभिन्न अनुपातों में एथनॉल मिश्रित ईंधन का इस्तेमाल किया जा रहा है। ब्राजील में तो कई वाहन 100 प्रतिशत तक एथनॉल आधारित ईंधन पर भी चलते हैं। हालांकि यह तुलना करते समय यह भी समझना होगा कि वहां के वाहन, ईंधन वितरण प्रणाली और गुणवत्ता नियंत्रण के मानक उसी अनुसार विकसित किए गए हैं। इसलिए भारत में भी केवल नीति लागू करना पर्याप्त नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था को समान स्तर पर तैयार करना आवश्यक है।

सोशल मीडिया ने इस विवाद को और जटिल बना दिया है। बिना किसी प्रयोगशाला जांच या तकनीकी विश्लेषण के वायरल हो रहे वीडियो लोगों में आशंका पैदा कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार द्वारा हर आलोचना को केवल "दुष्प्रचार" या "पेड कैंपेन" बताना भी समाधान नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता की आशंकाओं का उत्तर तथ्यों, पारदर्शिता और स्वतंत्र जांच से दिया जाना चाहिए। यदि कहीं ईंधन की गुणवत्ता में गड़बड़ी है तो जिम्मेदार एजेंसियों को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। यदि दावे गलत हैं तो उन्हें वैज्ञानिक परीक्षणों के आधार पर सार्वजनिक रूप से खारिज किया जाना चाहिए।

राजनीतिक विरोध भी इस बहस का हिस्सा बन चुका है। कुछ संगठनों ने ई 20 नीति के विरोध में प्रदर्शन की घोषणा की है और सरकार पर उपभोक्ताओं को विकल्प न देने का आरोप लगाया है। यह मांग पूरी तरह निराधार नहीं कही जा सकती कि संक्रमण काल में लोगों को ए10 और ई20 दोनों विकल्प उपलब्ध होने चाहिए, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां अभी भी बड़ी संख्या में पुराने वाहन चल रहे हैं। इससे उपभोक्ताओं का भरोसा भी बढ़ेगा और किसी प्रकार की तकनीकी आशंका भी कम होगी।

नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू निवेशकों से भी जुड़ा है। एथनॉल उत्पादन संयंत्रों में हजारों करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। यदि भविष्य में नीति को लेकर अनिश्चि तता पैदा होती है तो इसका असर उद्योग और कृषि दोनों पर पड़ सकता है। इसलिए सरकार को स्पष्ट और स्थिर नीति अपनानी होगी ताकि किसान, उद्योग और उपभोक्ता-तीनों का विश्वास बना रहे।

आज आवश्यकता किसी पक्ष का समर्थन या विरोध करने की नहीं, बल्कि वैज्ञानिक और पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की है। यदि एथनॉल मिश्रित ईंधन सुरक्षित है तो इसकी गुणवत्ता सुनिश्चि त करने के लिए नियमित जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की जानी चाहिए। यदि कुछ वाहनों में वास्तविक तकनीकी समस्याएं सामने आ रही हैं तो उनकी स्वतंत्र जांच कराई जानी चाहिए। वाहन कंपनियों को भी ग्राहकों को स्पष्ट जानकारी देनी चाहिए कि कौन-से मॉडल किस स्तर तक एथनॉल मिश्रित ईंधन के लिए उपयुक्त हैं।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा और पर्यावरणीय लक्ष्य महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उपभोक्ता का विश्वास भी उतना ही आवश्यक है। किसी भी नीति की सफलता तभी संभव है जब सरकार, उद्योग और आम नागरिक के बीच पारदर्शिता और संवाद बना रहे। 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर फैली आशंकाओं को केवल नारों या आरोप-प्रत्यारोप से दूर नहीं किया जा सकता। इसके लिए वैज्ञानिक प्रमाण, गुणवत्ता नियंत्रण, उपभोक्ता जागरूकता और जवाबदेही जरूरी है।

अंततः यह कहना जल्दबाजी होगी कि 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल नीति के कारण ही गाड़ियां खराब हो रही हैं। अभी तक उपलब्ध जानकारी इस निष्कर्ष की पुष्टि नहीं करती। वहीं यह कहना भी उचित नहीं होगा कि सभी शिकायतें पूरी तरह निराधार हैं। जरूरत निष्पक्ष जांच, प्रमाण आधारित निर्णय और बेहतर क्रियान्वयन की है। यदि सरकार इस दिशा में पारदर्शी कदम उठाती है और उद्योग भी उपभोक्ताओं के साथ खुलकर संवाद करता है, तो 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल केवल विवाद का विषय नहीं बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की एक सफल कहानी भी बन सकता है।

विचार विंडो

आग नहीं लापरवाही बन रही सबसे बड़ी तबाही

राम प्रकाश शर्मा

दिल्ली के चंदन होला क्षेत्र में एक फैक्ट्री में लगी भीषण आग ने एक बार फिर देश के औद्योगिक क्षेत्रों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आधी रात को भड़की आग पर काबू पाने में दमकल विभाग को करीब आठ घंटे लगे और 30 दमकल गाड़ियों को लगातार मशक्कत करनी पड़ी। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन यह घटना एक बार फिर चेतावनी देती है कि यदि सुरक्षा मानकों की अनदेखी जारी रही तो अगली बार परिणाम कहीं अधिक भयावह हो सकते हैं।

भारत में फैक्ट्री, गोदाम और औद्योगिक इकाइयों में आग लगने की घटनाएं अब असामान्य नहीं रह गई हैं। लगभग हर महीने किसी न किसी शहर से आग की बड़ी घटना सामने आती है। कभी रसायनों से भरे गोदाम जलते हैं, कभी कपड़ा फैक्ट्री, कभी प्लास्टिक उद्योग और कभी इलेक्ट्रॉनिक सामान के भंडार। अधिकांश मामलों में आग बुझने के बाद जांच बैठती है, रिपोर्ट तैयार होती है और कुछ समय बाद मामला ठंडा पड़ जाता है। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति क्यों नहीं रुक रही?

औद्योगिक सुरक्षा केवल अग्निशमन विभाग की जिम्मेदारी नहीं है। इसकी शुरुआत फैक्ट्री के निर्माण से होती है। भवन का नक्शा, बिजली की वायरिंग, ज्वलनशील पदार्थों का सुरक्षित भंडारण, आपातकालीन निकास, अग्निशमन उपकरण, कर्मचारियों का प्रशिक्षण और नियमित सुरक्षा ऑडिट-ये सभी सुरक्षा की पहली शर्त हैं। यदि इनमें

से किसी एक पहलू की भी अनदेखी होती है तो छोटी-सी चिंगारी भी बड़ी त्रासदी में बदल सकती है।

दिल्ली सहित देश के कई बड़े शहरों में तेजी से विकसित हुए औद्योगिक क्षेत्रों की सबसे बड़ी समस्या यह है कि अनेक इकाइयां समय के साथ अपने मूल स्वरूप से कहीं अधिक विस्तारित हो चुकी हैं। सीमित जगह में अतिरिक्त मशीनें, कच्चे माल का अत्यधिक भंडारण और क्षमता से अधिक उत्पादन सुरक्षा मानकों को कमजोर कर देता है। कई स्थानों पर अग्निशमन यंत्र केवल निरीक्षण के समय दिखाने के लिए रखे जाते हैं, जबकि आपात स्थिति में वे या तो काम नहीं करते या कर्मचारियों को उनका उपयोग करना ही नहीं आता।

चंदन होला की घटना में सबसे बड़ी राहत यह रही कि हादसा देर रात हुआ और फैक्ट्री में बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद नहीं थे। यदि यही आग दिन के समय लगती, तो स्थिति कहीं अधिक गंभीर हो सकती थी। यह संयोग था कि किसी की जान नहीं गई, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था संयोग के भरोसे नहीं चल सकती। किसी भी औद्योगिक इकाई का पहला उद्देश्य उत्पादन नहीं, बल्कि वहां काम करने वाले लोगों की सुरक्षा होना चाहिए। दमकल विभाग ने आठ घंटे की कठिन मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। यह उनके साहस और दक्षता का प्रमाण है। लेकिन यह भी सच है कि यदि किसी आग को बुझाने में इतनी लंबी अवधि और इतनी बड़ी संख्या में संसाधन लगाने पड़ें, तो इसका अर्थ है कि प्रारंभिक स्तर पर आग रोकने की व्यवस्था पर्याप्त नहीं थी। आधुनिक औद्योगिक परिसरों में स्वतः अग्निशमन प्रणाली, धुआं पहचानने वाले सेंसर और त्वरित चेतावनी प्रणाली अनिवार्य होनी चाहिए। इससे आग फैलने से पहले ही उस पर नियंत्रण पाया जा सकता है। हर बड़ी आग के बाद जांच का आश्वासन दिया जाता है। इस बार भी आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। लेकिन वास्तविक आवश्यकता केवल कारण खोजने की नहीं, बल्कि दोष तय करने और जवाबदेही सुनिश्चित करने की है। यदि जांच रिपोर्ट केवल सरकारी फाइलों तक सीमित रह जाए, तो भविष्य में ऐसी घटनाएं दोहराने से कोई नहीं रोक सकता। जहां नियमों का उल्लंघन मिला हो, वहां कठोर कार्रवाई और भारी आर्थिक दंड जरूरी है। औद्योगिक इकाइयों के संचालकों को भी यह समझना होगा कि सुरक्षा पर किया गया खर्च अतिरिक्त बोझ नहीं, बल्कि निवेश है। कुछ लाख रुपये बचाने के लिए सुरक्षा उपकरणों की अनदेखी करना अंततः करोड़ों रुपये की संपत्ति, प्रतिष्ठा और मानव जीवन को खतरे में डाल सकता है। बीमा, सुरक्षा प्रशिक्षण और नियमित अभ्यास किसी भी जिम्मेदार उद्योग की पहचान होने चाहिए। सरकार और स्थानीय प्रशासन की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। नियमित निरीक्षण केवल औपचारिकता न रह जाए। निरीक्षण पूरी पारदर्शिता और तकनीकी मानकों के आधार पर हो। जिन इकाइयों में बार-बार कमियां मिलती हैं, उन्हें सुधार के लिए समय देने के साथ आवश्यक होने पर संचालन की अनुमति भी अस्थायी रूप से रोकी जानी चाहिए। केवल कागजी अनुपालन से सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती।

औद्योगिक विकास किसी भी राज्य और देश की आर्थिक प्रगति का आधार है, लेकिन यदि विकास सुरक्षा को पीछे छोड़ दे तो उसका लाभ अधूरा रह जाता है। आधुनिक उद्योग वही है जो उत्पादन के साथ सुरक्षा संस्कृति को भी प्राथमिकता दे। कर्मचारियों को नियमित प्रशिक्षण, आपदा प्रबंधन अभ्यास और सुरक्षा जागरूकता का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। चंदन होला की आग एक दुर्घटना भर नहीं, बल्कि चेतावनी है। यह याद दिलाती है कि आग लगने के बाद राहत और बचाव से अधिक जरूरी है आग लगने से पहले उसकी संभावना को समाप्त करना। जब तक उद्योग, प्रशासन और नियामक संस्थाएं मिलकर सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता नहीं देंगे, तब तक ऐसी घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहेंगी।

सुरक्षित उद्योग ही सशक्त अर्थव्यवस्था की पहचान हैं। इसलिए अब समय आ गया है कि हर फैक्ट्री, हर गोदाम और हर औद्योगिक परिसर में सुरक्षा को कागजों से निकालकर व्यवहार का हिस्सा बनाया जाए। क्योंकि एक छोटी-सी लापरवाही कई परिवारों की जिंदगी बदल सकती है, जबकि थोड़ी-सी सतर्कता अनगिनत जिंदगियों को सुरक्षित रख सकती है।

इंडिया ए ने श्रीलंका ए को दी करारी शिकस्त

दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट में शानदार प्रदर्शन

बरार-सुदर्शन बने मैच के हीरो

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडिया ए ने श्रीलंका दौरे पर शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे अनऑफिशियल टेस्ट मैच में मेजबान श्रीलंका ए को 10 विकेट से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ भारत ने दो मैचों की सीरीज को 1-0 से अपने नाम कर लिया। गॉल में खेले गए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने हर विभाग में बेहतरीन खेल दिखाते हुए पूरे मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा।

पहली पारी में श्रीलंका ए ने 366 रन बनाए। कप्तान सहन अराचिगे ने शानदार शतक जड़ते हुए 127 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली और टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। उनके अलावा अंजला बंदारा ने 42 रन और नुवानिदु फर्नांडो ने 44 रन बनाकर स्कोर को आगे बढ़ाया। हालांकि, यह स्कोर भी भारतीय बल्लेबाजों के सामने पर्याप्त साबित नहीं हुआ।

जवाब में इंडिया ए ने अपनी पहली पारी में जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए 543 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और 177 रनों की मजबूत बढ़त हासिल कर ली। इस पारी में साई सुदर्शन ने लगातार दूसरे मैच में शतक जड़ते हुए 168 रनों की शानदार और जिम्मेदार पारी खेली।

उनकी बल्लेबाजी में धैर्य, तकनीक और क्लास का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिला। देवदत्त पडिक्कल शतक से सिर्फ 6 रन दूर रह गए और 94 रन बनाकर आउट हुए। वहीं कप्तान ध्रुव जुरेल ने 53 रनों की उपयोगी पारी खेली, जबकि सारांश जैन ने नाबाद 70 रन बनाकर निचले क्रम में टीम को मजबूती दी और बड़े स्कोर तक पहुंचाया। दूसरी पारी में श्रीलंका ए की बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई और टीम 209 रन पर ऑलआउट हो गई। भारतीय गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा और मेजबान टीम को टिकने का मौका नहीं दिया। इसके बाद भारत के सामने केवल 33 रनों का आसान लक्ष्य बचा, जिसे इंडिया ए ने बिना किसी विकेट के आसानी से हासिल कर लिया।

साई सुदर्शन 25 रन बनाकर नाबाद लौटे और जीत की औपचारिकता पूरी की। गेंदबाजी में गुरनूर बरार सबसे बड़े हीरो साबित हुए। उन्होंने पहली पारी में 4 विकेट और दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर कुल 10 विकेट अपने नाम किए और मैच का पूरा रुख बदल दिया।

इस शानदार जीत के साथ इंडिया ए ने सीरीज 1-0 से अपने नाम कर ली और एक बार फिर साबित किया ।

आमिर खान और गौरी स्प्रैट ने की सिविल मैरिज

वेडिंग लुक ने बटोरी सुर्खियां

खान की नई जिंदगी की शुरुआत

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही तस्वीरों में आमिर खान और गौरी स्प्रैट कथित तौर पर सिविल मैरिज के बाद साथ नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है और फैंस लगातार इस जोड़ी को लेकर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। वायरल तस्वीरों में दोनों का सिंपल और एलिगेंट वेडिंग लुक लोगों का ध्यान खींच रहा है। आमिर खान सादगी भरे अंदाज में दिखाई दे रहे हैं, जबकि गौरी स्प्रैट का खूबसूरत लुक भी चर्चा का विषय बना हुआ है। तस्वीरों के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर दोनों को बधाई देने वालों का तांता लग गया है। हालांकि, इन वायरल तस्वीरों और शादी की खबरों को लेकर अभी तक आमिर खान या उनकी टीम की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। ऐसे में वायरल दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि होना बाकी है। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से आमिर खान और गौरी स्प्रैट के रिश्ते को लेकर लगातार चर्चाएं होती रही हैं। अब इन वायरल तस्वीरों ने एक बार फिर दोनों को सुर्खियों में ला दिया है। फैंस को अब आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है।

मुरली विजय के बयान से तेज हुई सुलह की चर्चा

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के सबसे चर्चित निजी विवादों में शामिल मुरली विजय और दिनेश कार्तिक के रिश्तों को लेकर अब नई चर्चा शुरू हो गई है। तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन के वार्षिक समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे मुरली विजय ने मंच से दिनेश कार्तिक के लिए ऐसी बातें कहीं, जिसने सभी का ध्यान खींच लिया। वर्षों से दोनों खिलाड़ियों के बीच कथित दूरियों और मतभेदों की चर्चा होती रही है, लेकिन इस कार्यक्रम में विजय ने अपने संबोधन के दौरान कार्तिक की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि वह बचपन से दिनेश कार्तिक को खेलते हुए देखते आए हैं और उनके खेल के हमेशा प्रशंसक रहे हैं। विजय ने कार्तिक को तमिलनाडु क्रिकेट इतिहास का सर्वश्रेष्ठ विकेटकीपर-बल्लेबाज बताया।

मुरली विजय ने अपने भाषण में कहा, "मैंने नॉन-स्ट्राइकर एंड से उनकी बल्लेबाजी को करीब से देखा है। उनके जैसा खेलते हुए मैंने किसी और को नहीं देखा। वह एक शानदार क्रिकेटर हैं और मेरे बेहद अजीज दोस्त भी हैं।"

उन्होंने आगे कहा कि दिनेश कार्तिक के अनुभव और क्रिकेट की समझ ने उनके अपने करियर में भी काफी मदद की है, जिसके लिए वह मंच से उनका आभार व्यक्त करना चाहते हैं।

विजय के इस बयान के बाद क्रिकेट फैंस के बीच यह चर्चा तेज हो गई है कि क्या दोनों खिलाड़ियों के बीच वर्षों पुरानी दूरी अब खत्म हो रही है। सोशल मीडिया पर भी उनके इस भावुक अंदाज की खूब सराहना हो रही है और इसे सुलह की एक सकारात्मक शुरुआत के तौर पर देखा जा रहा है।

आलिया-शरवरी की 'अल्फा' के लिए रैना का खास तोहफा

फैंस को देंगे 250 मुफ्त टिकट

समय रैना का बड़ा सरप्राइज

यूनिक समय, नई दिल्ली। आलिया भट्ट और शरवरी वाघ स्टारर फिल्म 'अल्फा' रिलीज के बाद लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है और सोशल मीडिया पर भी इसकी खूब बातें हो रही हैं। इसी बीच कॉमेडियन और कंटेंट क्रिएटर समय रैना ने फिल्म के लिए ऐसा कदम उठाया है, जिसने फैंस का दिल जीत लिया है। समय रैना ने मुंबई में 'अल्फा' की स्पेशल स्क्रीनिंग के लिए पूरा सिनेमाहॉल बुक कर लिया है। इतना ही नहीं, उन्होंने 250 फैंस को मुफ्त टिकट देने का भी ऐलान किया है। समय रैना ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी के जरिए इस खास पहल की जानकारी साझा की। उन्होंने लिखा, "कल मैं मुंबई में 'अल्फा' देखने जा रहा हूं। मैंने पूरा थिएटर बुक किया है और आप में से 250 लोगों को व्हाट्सएप पर टिकट भेजूंगा। यह आलिया और शरवरी के लिए मेरा छोटा-सा प्यार है, क्योंकि वे इतनी शानदार हैं कि मेरे शो के पहले एपिसोड में आई थीं। दोनों को ढेर सारा प्यार और उनकी फिल्म देखने के लिए बेहद उत्साहित हूं। कल मिलते हैं!" समय रैना की इस घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर फैंस की उत्सुकता और बढ़ गई है। कई लोग मुफ्त टिकट पाने की उम्मीद में उनकी पोस्ट पर लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वहीं, बड़ी संख्या में यूजर्स समय के इस जेस्चर की तारीफ करते हुए इसे कलाकारों के बीच दोस्ती और सम्मान का खूबसूरत उदाहरण बता रहे हैं।

गौरतलब है कि आलिया भट्ट और शरवरी वाघ हाल ही में समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लैटेंट सीजन 2' के पहले एपिसोड में नजर आई थीं। शो के दौरान तीनों के बीच शानदार केमिस्ट्री और मस्ती देखने को मिली थी, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। माना जा रहा है कि उसी मुलाकात के बाद समय रैना और दोनों अभिनेत्रियों के बीच अच्छी दोस्ती हो गई।

फिल्म 'अल्फा' को लेकर पहले से ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा था। अब समय रैना की इस अनोखी पहल ने फिल्म की चर्चा को और तेज कर दिया है।

सोशल मीडिया पर उनके इस कदम को लेकर लगातार बातें हो रही हैं। फैंस का कहना है कि किसी फिल्म के लिए इस तरह पूरा थिएटर बुक करना और 250 लोगों को मुफ्त टिकट देना अपने आप में बेहद खास पहल है। ऐसे में फिल्म के साथ-साथ समय रैना का यह खास अंदाज भी लोगों का दिल जीत रहा है।

इंग्लैंड-वेस्टइंडीज सीरीज से पहले पाकिस्तान का बड़ा फैसला

बाबर आजम फिर बने कप्तान

शाहीन अफरीदी को इंग्लैंड-वेस्टइंडीज सीरीज से किया ड्रॉप

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट में एक बार फिर बड़े और चौंकाने वाले बदलाव देखने को मिले हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आगामी इंग्लैंड और वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए स्क्वाड का ऐलान करते हुए कई अहम फैसले लिए हैं, जिसने फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों को हैरान कर दिया है। सबसे बड़ा बदलाव कप्तानी को लेकर किया गया है, जहां शान मसूद को हटाकर बाबर आजम को एक बार फिर टेस्ट टीम की कमान सौंप दी गई है।

बाबर आजम इससे पहले भी टेस्ट टीम की कप्तानी कर चुके हैं, लेकिन अब एक बार फिर उन पर भरोसा जताते हुए। उन्हें जिम्मेदारी सौंपी है, दूसरी ओर, टीम चयन में सबसे बड़ा झटका स्टार तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी को लगा है, जिन्हें दोनों आगामी टेस्ट सीरीज के लिए स्क्वाड से बाहर कर दिया गया है। उनके साथ हसन अली और नौमान अली को भी टीम में जगह नहीं मिली है।

इस फैसले ने क्रिकेट जगत में काफी चर्चा पैदा कर दी है, क्योंकि शाहीन अफरीदी पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं और लंबे समय से टीम की गेंदबाजी आक्रमण की रीढ़ माने जाते हैं। उनके बाहर होने से टीम की गेंदबाजी रणनीति पर भी सवाल उठने लगे हैं।

चयन समिति के सदस्य आकिब जावेद ने टीम चयन को लेकर जानकारी देते हुए कहा कि कुछ खिलाड़ियों को फिटनेस और रणनीतिक कारणों के चलते बाहर किया गया है, जबकि कुछ नए और युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। इसी क्रम में मोहम्मद अली और आमिर जमाल की टेस्ट टीम में वापसी हुई है। वहीं उबैद शाह, अली उस्मान और अवैस जफर को पहली बार टेस्ट स्क्वाड में शामिल किया गया है, जो टीम के भविष्य को ध्यान में रखते हुए एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

पाकिस्तान की 16 सदस्यीय टेस्ट टीम में बाबर आजम (कप्तान), शान मसूद, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), इमाम-उल-हक, सलमान अली आगा, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद अब्बास, साजिद खान और अन्य खिलाड़ी शामिल हैं।

पाकिस्तान को वेस्टइंडीज दौरे पर दो टेस्ट मैच खेलने हैं, जिसकी शुरुआत 25 जुलाई से त्रिनिडाड में होगी। इसके बाद टीम इंग्लैंड जाएगी, जहां तीन टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट 19 अगस्त से हेडिंग्ले में, दूसरा 27 अगस्त से लॉर्ड्स में और तीसरा 9 सितंबर से एजबेस्टन में खेला जाएगा।

इन बड़े बदलावों के बाद पाकिस्तान टीम की रणनीति और भविष्य की दिशा को लेकर लगातार बहस तेज हो गई है। अब सभी की नजरें इस पर टिकी हैं कि बाबर आजम की कप्तानी में टीम कैसा प्रदर्शन करती है ।

पद्म विभूषण तीजन बाई का निधन

देश ने खोया लोक कला का सितारा

यूनिक समय, नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण डॉ. तीजन बाई का 70 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने रायपुर स्थित एम्स में शनिवार रात करीब 3:15 बजे अंतिम सांस ली, जहां वे लंबे समय से गंभीर बीमारी के चलते भर्ती थीं। उनके निधन की खबर से पूरे देश की कला जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। डॉक्टरों के अनुसार, तीजन बाई कई दिनों से सांस लेने में तकलीफ और गंभीर कमजोरी से जूझ रही थीं। 27 मई को उन्हें इलाज के लिए एम्स रायपुर में भर्ती कराया गया था। तमाम चिकित्सकीय प्रयासों के बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हो सका और आखिरकार उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया।

तीजन बाई को भारतीय लोक कला की सबसे सशक्त आवाजों में गिना जाता है। उन्होंने पंडवानी शैली को देश ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोकप्रिय बनाया। पंडवानी एक ऐसी लोक गायन शैली है जिसमें महाभारत की कहानियों को नाटकीय और संगीतमय अंदाज में प्रस्तुत किया जाता है।

उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्म श्री (1988), पद्म भूषण (2003) और पद्म विभूषण (2019) जैसे प्रतिष्ठित सम्मान मिले। इसके अलावा उन्हें संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और फुकुओका पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साई ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि तीजन बाई ने अपनी कला के जरिए छत्तीसगढ़ को दुनिया भर में पहचान दिलाई। उनके जाने से लोक कला की दुनिया में एक अपूरणीय क्षति हुई है।

राम मंदिर चढ़ावा घोटाले में जांच ने पकड़ी रफ्तार

जेल में गबन के आरोपियों से पूछताछ, कई नए खुलासे

यूनिक समय, अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावे के कथित गबन मामले की जांच लगातार नए मोड़ ले रही है। रविवार को विवेचक आशुतोष तिवारी एंटी करप्शन कोर्ट से अनुमति मिलने के बाद जिला कारागार पहुंचे और जेल में बंद पांच आरोपियों से पूछताछ की। जांच के दौरान आरोपियों से दान की रकम के कथित गबन, धन के लेन–देन, रकम के बंटवारे और अन्य संदिग्ध पहलुओं से जुड़े सवाल किए गए। जांच एजेंसियां अब तक जुटाए गए साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर आरोपियों के बयानों का मिलान भी कर रही हैं।

सूत्रों के अनुसार पूछताछ के दौरान मुख्य आरोपी अविनाश शुक्ला ने कथित तौर पर करीब 19 लाख रुपये की अतिरिक्त राशि से जुड़ी जानकारी दी है। जांच एजेंसियां इस दावे का सत्यापन कर रही हैं और यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि यह रकम कहां से आई, किसके पास पहुंची और उसका इस्तेमाल किस तरह किया गया। अधिकारियों का कहना है कि इस संबंध में मिले हर इनपुट की विस्तार से जांच की जा रही है।

मामले में आरोपी और उनके परिजनों के बैंक खातों की भी गहन पड़ताल शुरू कर दी गई है। जांच टीम संदिग्ध बैंक लेन–देन का रिकॉर्ड खंगाल रही है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि कथित गबन की रकम बैंकिंग प्रणाली के माध्यम से कहीं स्थानांतरित या छिपाई तो नहीं गई। जिन खातों में संदिग्ध ट्रांजैक्शन मिले हैं, उनका सत्यापन संबंधित दस्तावेजों और बैंक रिकॉर्ड से किया जा रहा है।

इससे पहले विवेचक ने आरोपियों से जेल में पूछताछ की अनुमति के लिए न्यायालय में आवेदन किया था, जिसे स्वीकार कर लिया गया। अब जांच एजेंसियां पूछताछ में सामने आई जानकारियों, बैंक रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ने में जुटी हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई आगे बढ़ाई जाएगी।

कूलर में करंट आने से से दंपति की मौत

यूनिक समय, आगरा। शमसाबाद थाना क्षेत्र के कुतकपुर गांव में शनिवार देर रात कूलर में करंट उतरने से एक दंपति की दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों की पहचान 40 वर्षीय जगदीश और उनकी 35 वर्षीय पत्नी शशि के रूप में हुई है। दोनों घर में कूलर चलाकर सो रहे थे, तभी बिजली के तार में आई खराबी के कारण करंट पूरे कमरे में फैल गया और दोनों उसकी चपेट में आ गए। रविवार सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों को संदेह हुआ। अंदर जाकर देखा तो दोनों अचेत अवस्था में पड़े मिले। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घटना की जांच शुरू कर दी। मृतक दंपति गांव में परचून की दुकान चलाने के साथ खेती भी करते थे।

सोते समय हादसे ने उजाड़ा चार बच्चों का परिवार

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजे, जांच जारी

उनके चार छोटे बच्चे हैं, जिनमें दो बेटियां और दो बेटे शामिल हैं। माता–पिता की अचानक मौत से बच्चों के सिर से उनका साया उठ गया और परिवार में मातम छा गया। पुलिस बिजली व्यवस्था और हादसे के कारणों की जांच कर रही है, जबकि पूरे गांव में घटना के बाद शोक का माहौल है।

शादी से इनकार पर महिला पर जानलेवा हमला

बीच सड़क ईंटों से हमला, आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने मुकदमा दर्ज जांच जारी लगातार

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर के बिठूर क्षेत्र में एक महिला पर कथित तौर पर शादी से इनकार करने के बाद जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी देवाशीष निगम को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी गई है। घायल महिला का उपचार अस्पताल में चल रहा है और उसकी स्थिति पर डॉक्टर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

प्रारंभिक जांच के मुताबिक, शनिवार शाम आरोपी अपनी कार से महिला को लेकर बिठूर के ब्रह्मघाट की ओर जा रहा था। रास्ते में दोनों के बीच शादी को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर आरोपी ने सर्विस लेन पर कार रोक दी और महिला के साथ मारपीट शुरू कर दी। महिला ने बचने की कोशिश की, लेकिन आरोपी ने कार का शीशा तोड़कर उसे बाहर खींच लिया और ईंट से हमला कर दिया। हमले में महिला के सिर और शरीर पर गंभीर चोटें आईं।

महिला की चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। घायल महिला को पहले नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार, पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी लगातार उस पर शादी का दबाव बना रहा था और इनकार करने पर उसने हमला कर दिया। परिजनों ने भी आरोपी पर पहले से धमकाने का आरोप लगाया है। डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों तथा प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज किए जा रहे हैं। आरोपी से पूछताछ जारी है और जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चालक को आई नींद की झपकी, गिट्टी से भरा ट्रक पलटा

यूनिक समय, आगरा। पिनाहट थाना क्षेत्र के राजाखेड़ा मार्ग पर विप्रावली के पास रविवार सुबह गिट्टी से भरा एक ओवरलोड ट्रक सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे के दौरान वहां से गुजर रहा एक बाइक सवार ट्रक की चपेट में आने से बाल–बाल बच गया। घटना के बाद आसपास के लोगों की मौके पर भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस भी पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक चालक को चलते समय नींद की झपकी आने से वाहन अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे में ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि चालक को गंभीर चोट नहीं आई। स्थानीय लोगों का कहना है कि राजस्थान सीमा से मंसुखपुरा क्षेत्र की ओर रोजाना बड़ी संख्या में गिट्टी से लदे ओवरलोड ट्रक गुजरते हैं। इन भारी वाहनों के कारण सड़कें भी तेजी से क्षतिग्रस्त हो रही हैं। लोगों ने प्रशासन से ओवरलोड वाहनों पर सख्त कार्रवाई और नियमित जांच अभियान चलाने की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

रेल यात्रियों को लूटने वाले तीन शातिर चोर गिरफ्तार

यूनिक समय, अलीगढ़। रेलवे यात्रियों को निशाना बनाकर चोरी करने वाले गिरोह के खिलाफ आरपीएफ और जीआरपी ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में जीआरपी आगरा अनुभाग का टॉप–10 घोषित अपराधी भी शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी का एक सोने का मंगलसूत्र और तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद सामान की अनुमानित कीमत करीब 2.03 लाख रुपये बताई गई है।

टॉप–10 बदमाश समेत तीन आरोपी दबोचे गए

मंगलसूत्र और मोबाइल बरामद, जांच आगे बढ़ी

आरपीएफ पोस्ट कमांडर अनिल तिवारी ने बताया कि ऑपरेशन 'यात्री सुरक्षा' के तहत रविवार तड़के अलीगढ़ जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर–7 के पास संदिग्धों की सूचना मिली थी। इसके बाद आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर तीनों आरोपियों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने यात्रियों की लापरवाही का फायदा उठाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान एटा निवासी सर्जन सिंह, मसौली निवासी अब्दुल सिद्दीकी और हाथरस निवासी चेतन कुमार के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी सर्जन सिंह के खिलाफ चोरी, लूट, गैंगस्टर और आर्म्स एक्ट समेत 30 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। वह लंबे समय से रेलवे यात्रियों को निशाना बना रहा था। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जबकि बरामद सामान के आधार पर अन्य मामलों की भी जांच जारी है।

नेताओं संग खाट पर सजी भाजपा की चुनावी चौपाल

यूनिक समय, लखनऊ। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के दो दिवसीय उत्तर प्रदेश दौरे के दौरान रविवार को राजनीतिक गतिविधियां तेज रहीं। उन्होंने उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के लखनऊ स्थित आवास पर दोपहर का भोजन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, संगठन मंत्री धर्मपाल सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बी.एल. संतोष और प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी मौजूद रहे। भोजन के बाद सभी नेता आवास परिसर में खाट (चारपाई) पर बैठकर अनौपचारिक बातचीत करते नजर आए। इस दौरान उन्होंने आम का स्वाद लेते हुए आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों, संगठन की मजबूती और चुनावी रणनीति पर चर्चा की। नेताओं के बीच हुई इस अनौपचारिक बैठक को संगठनात्मक समन्वय और चुनावी तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इससे पहले शनिवार को नितिन नबीन ने भाजपा और सहयोगी दलों के वरिष्ठ नेताओं के साथ अलग–अलग बैठकें कर संगठन विस्तार, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता, सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने और आगामी चुनावों की तैयारियों पर विस्तार से विचार–विमर्श किया था। पार्टी नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाने और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। रविवार को ब्रजेश पाठक के आवास पर हुई बैठक में भी संगठन और सरकार के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने, विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने तथा आगामी विधानसभा चुनाव के लिए रणनीतिक तैयारियों को लेकर चर्चा हुई। भोजन और अनौपचारिक संवाद के बाद नितिन नबीन राष्ट्र प्रेरणा स्थल पहुंचे, जहां उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित की। भाजपा नेतृत्व का यह दौरा प्रदेश में संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों को धार देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास पर भोजन

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन संग नेताओं ने 2027 चुनावी रणनीति पर की चर्चा

अब आयुष धर्मांतरण जांच में फंडिंग नेटवर्क आया सामने

यूनिक समय, शामली। चर्चित आयुष धर्मांतरण प्रकरण की जांच में पुलिस को कई नए सुराग मिले हैं। जांच के दौरान सामने आया है कि वांछित हकीम मौलाना इरफान और मौलाना मनव्वर के संपर्क पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली के अलावा चेन्नई तथा अंडमान–निकोबार तक फैले होने की आशंका है। पुलिस के अनुसार, मौलाना इरफान के बैंक खाते में इन स्थानों से कई बार रकम भेजी गई। अब जांच एजेंसियां इन लेन–देन का सत्यापन कर यह पता लगाने में जुटी हैं कि धनराशि किसने भेजी, उसका उद्देश्य क्या था और क्या उसका संबंध किसी संगठित नेटवर्क से है। पुलिस का कहना है कि जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी समय–समय पर दिल्ली, चेन्नई और अंडमान–निकोबार आते–जाते रहे। मामले में बैंक खातों, लेन–देन और संबंधित लोगों की भूमिका की गहन पड़ताल की जा रही है। इस बीच आरोपी की एक डायरी भी पुलिस के हाथ लगी है, जिसमें आयुष से जुड़े कुछ उल्लेख दर्ज होने की बात कही जा रही है। जांच अधिकारी डायरी में दर्ज तथ्यों का अन्य साक्ष्यों से मिलान कर रहे हैं। एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बाहरी राज्यों से बैंक खाते में धनराशि आने की जानकारी मिली है। पूरे मामले की गंभीरता से जांच जारी है और फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की पुष्टि के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चेन्नई, अंडमान से खातों में पहुंची संदिग्ध रकम

डायरी और बैंक रिकॉर्ड से होगी जांच तेज

देशभर में 58 इंजीनियरिंग कॉलेज बंद

यूनिक समय, नई दिल्ली। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) की वर्ष 2025–26 की रिपोर्ट के अनुसार, देशभर में 58 इंजीनियरिंग और तकनीकी कॉलेजों को प्रोग्रेसिव क्लोजर के तहत बंद किया गया है। इस व्यवस्था के तहत नए छात्रों का प्रवेश रोक दिया जाता है, जबकि पहले से अध्ययनरत विद्यार्थियों को अपनी पढ़ाई पूरी करने की अनुमति रहती है।

रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक 12–12 कॉलेज उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में बंद हुए हैं। इसके बाद मध्य प्रदेश में 8, तेलंगाना और पंजाब में 4–4, जबकि आंध्र प्रदेश और राजस्थान में 3–3 संस्थान बंद किए गए। गुजरात, कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी में 2–2 तथा हरियाणा, ओडिशा, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल में 1–1 कॉलेज प्रभावित हुए हैं। एआईसीटीई के अनुसार, कम छात्र प्रवेश, पर्याप्त फैकल्टी की कमी, आवश्यक बुनियादी सुविधाओं का अभाव और नियामकीय मानकों का पालन न करना संस्थानों के बंद होने के प्रमुख कारण हैं।

यूपी–महाराष्ट्र के सबसे ज्यादा कॉलेज बंद

नए प्रवेश बंद, पुराने छात्रों की पढ़ाई जारी

कम दाखिले और नियम उल्लंघन बने वजह

इसके साथ ही देशभर में 950 से अधिक तकनीकी पाठ्यक्रम भी बंद किए गए हैं।

ओडिशा में वोटर लिस्ट से 20 लाख मतदाताओं के नाम गायब

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत निर्वाचन आयोग ने ड्राफ्ट मतदाता सूची जारी कर दी है। नई सूची में 3 करोड़ 13 लाख 87 हजार 34 मतदाताओं के नाम शामिल हैं, जबकि पहले मतदाताओं की संख्या 3 करोड़ 33 लाख 99 हजार 591 थी। इससे करीब 20.12 लाख नाम कम दिखाई दे रहे हैं।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि इन सभी नामों को अंतिम रूप से नहीं हटाया गया है। कई नाम दूसरे राज्यों में पंजीकरण, मृत्यु, पता बदलने, निर्धारित समय तक एन्यूमरेशन फॉर्म जमा न करने या दोहरी प्रविष्टि जैसी वजहों से ड्राफ्ट सूची में शामिल नहीं किए गए हैं। यदि किसी योग्य मतदाता का नाम सूची में नहीं है, तो वह 4 अगस्त 2026 तक दावा या आपत्ति दर्ज करा सकता है। इसके लिए फॉर्म–6भरकर आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। मतदाता अपना नाम बूथ लेवल अधिकारी, ईसीआईनेट मोबाइल ऐप, वोटर्स सर्विस पोर्टल या मुख्य निर्वाचन अधिकारी, ओडिशा की वेबसाइट पर ईपीआईसी नंबर के जरिए जांच सकते हैं।

तेलंगाना में भीषण सड़क हादसा

चार लोगों की दर्दनाक मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेलंगाना के नलगोंडा जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा हैदराबाद–विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर चिट्याल के पास हुआ, जहां एक निजी बस ने कार को पीछे से टक्कर मार दी।

पुलिस के अनुसार, कार में एक ही परिवार के पांच लोग सवार थे, जो चेन्नई से हैदराबाद जा रहे थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में कार सवार चालक की पत्नी, दो बच्चों और एक दोस्त की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक घायल हो गया। उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। बताया गया कि दुर्घटना सुबह करीब पांच बजे हुई। टक्कर के कारण बस का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि बस में सवार सभी यात्री सुरक्षित रहे और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि हादसा तेज रफ्तार, लापरवाही या किसी अन्य वजह से हुआ। लगातार सामने आ रहे सड़क हादसे एक बार फिर राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षित और जिम्मेदार ड्राइविंग की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

चलती बस पर गिरा पहाड़ी से पत्थर, एक की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के चम्बा जिले में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। भरमौर से चम्बा आ रही हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बस पर गैहरा के पास पहाड़ी से अचानक एक विशाल पत्थर गिर गया। पत्थर बस की छत तोड़ते हुए अंदर जा घुसा, जिससे यात्रियों में अफरा–तफरी मच गई।

हादसे के समय बस में करीब 40 यात्री सवार थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि बस में सवार अधिकांश यात्री शिव पूजन समारोह से लौट रहे थे।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। घायलों को तुरंत पंडित जवाहरलाल नेहरू राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय, चम्बा भेजा गया, जहां उनका उपचार जारी है।

अचानक पत्थर बस की छत तोड़कर अंदर घुसा

चार घायल, प्रशासन ने शुरू की हादसे की जांच

लगातार हो रही बारिश के कारण पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन और चट्टानें गिरने की घटनाएं बढ़ गई हैं। प्रशासन ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और लोगों से खराब मौसम में पर्वतीय मार्गों पर यात्रा के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

बारिश बनी जानलेवा, मुंबई में पेड़ गिरने से दो की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई में लगातार हो रही बारिश के बीच पेड़ गिरने की दो अलग–अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। एक हादसा कुर्ला में हुआ, जहां 63 वर्षीय बुजुर्ग यूनुस कुंडावाला की पेड़ गिरने से जान चली गई। वहीं, आरे कॉलोनी में चलती बाइक पर पेड़ की भारी शाखा गिरने से 18 वर्षीय हसन रजा की मौत हो गई। दोनों घटनाओं के बाद नगर निगम (बीएमसी) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं।

कुर्ला में हादसे के बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए राजावाड़ी अस्पताल भेजा गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि घटना के तुरंत बाद महानगरपालिका कर्मचारियों ने घटनास्थल को जल्दबाजी में साफ कर दिया। इससे हादसे की परिस्थितियों को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस मामले में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने बीएमसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया है। पार्टी कार्यकर्ता काली पट्टी बांधकर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे।

उधर, आरे कॉलोनी के यूनिट नंबर–13 रोड पर शनिवार दोपहर एक चलती मोटरसाइकिल पर अचानक पेड़ की भारी शाखा गिर गई। गंभीर रूप से घायल हसन रजा को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। लगातार बारिश के कारण कमजोर हो चुके पेड़ों को इस हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है।

बारिश के बीच पेड़ गिरने से मची अफरा तफरी

बीएमसी की लापरवाही पर मनसे करेगी विरोध प्रदर्शन

घटना के बाद बीएमसी स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष ने मौके का निरीक्षण किया। उनका कहना है कि पेड़ों की छंटाई और खतरनाक शाखाओं को हटाने के लिए कई बार प्रशासन को पत्र लिखे गए थे, लेकिन ठेकेदारों की लापरवाही के कारण समय पर काम नहीं हो सका। उन्होंने मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

लगातार हो रही बारिश के बीच इन हादसों ने एक बार फिर शहर में पुराने और जर्जर पेड़ों की समय पर पहचान तथा उनकी नियमित छंटाई की आवश्यकता को उजागर कर दिया है। नागरिकों ने भी मानसून के दौरान प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की है।

शोपियां में घिरे दो आतंकी, सुरक्षा बलों की घेराबंदी जारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू–कश्मीर के शोपियां जिले में सुरक्षा बलों का आतंकवाद विरोधी अभियान दूसरे दिन भी जारी है। सेना, जम्मू–कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने एक बाग में छिपे दो संदिग्ध आतंकियों की घेराबंदी कर रखी है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों के सभी संभावित भागने के रास्ते सील कर दिए गए हैं।

सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक, संदिग्धों की पहचान जाकिर और लतीफ के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों का संबंध प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा से है। तलाशी अभियान उस समय शुरू हुआ जब निगरानी के दौरान संदिग्ध गतिविधियां देखी गईं। इसके बाद सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच गोलीबारी भी हुई।

घने पेड़ों और झाड़ियों वाले इलाके में अभियान को प्रभावी बनाने के लिए अतिरिक्त जवान तैनात किए गए हैं तथा रात में रोशनी की विशेष व्यवस्था की गई है। सुरक्षा एजेंसियां पूरे क्षेत्र में लगातार तलाशी अभियान चला रही हैं। फिलहाल अभियान जारी है और अधिकारियों की ओर से स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

भाजपा सांसद संबित पात्रा का व्हाट्सएप अकाउंट हैक

यूनिक समय, नई दिल्ली। भाजपा सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने जानकारी दी है कि उनका व्हाट्सएप अकाउंट कथित तौर पर हैक हो गया है। उन्होंने लोगों को आगाह करते हुए कहा कि साइबर ठग उनके नाम और नंबर का इस्तेमाल कर फर्जी संदेश भेज रहे हैं तथा विभिन्न बहानों से पैसों की मांग कर रहे हैं। पात्रा ने स्पष्ट किया कि उनके नंबर से आने वाले किसी भी संदिग्ध संदेश, कॉल या आर्थिक सहायता संबंधी अनुरोध पर भरोसा न करें। उन्होंने कहा कि बिना पुष्टि किए किसी भी प्रकार का भुगतान करना या निजी जानकारी साझा करना आर्थिक नुकसान का कारण बन सकता है। मामले की सूचना ओडिशा पुलिस को दे दी गई है और जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस तथा साइबर विशेषज्ञ यह पता लगाने में जुटे हैं कि हैकिंग किस तरह हुई और इसके पीछे कौन लोग हैं। पात्रा ने लोगों से अपील की है कि जब तक उनका व्हाट्सएप अकाउंट पूरी तरह सुरक्षित होकर उनके नियंत्रण में नहीं आ जाता, तब तक उनके नंबर से आने वाले किसी भी संदेश का जवाब न दें और किसी भी तरह का लेन–देन करने से बचें।

लोगों से सतर्क रहने की अपील

हैकर्स फर्जी मैसेज भेजकर लोगों से मांग रहे पैसे

पुलिस और साइबर टीम ने शुरू की जांच

एसटीएफ मुठभेड़ में लॉरेंस गैंग के दो शूटर ढेर

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त कार्रवाई में लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो कथित शूटर मुठभेड़ में मारे गए। पुलिस के अनुसार, दोनों पर हरियाणा के हांसी में जिम संचालक कपिल की हत्या का आरोप था और वे लंबे समय से फरार चल रहे थे।

अधिकारियों ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों की घेराबंदी की गई। पुलिस का दावा है कि रोकने का प्रयास करने पर आरोपियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

हांसी जिम संचालक हत्याकांड में थे दोनों आरोपी

जवाबी कार्रवाई में घायल हुआ एक पुलिसकर्मी भी

मुठभेड़ के दौरान एक पुलिस कांस्टेबल के पैर में गोली लगी, जबकि चार अन्य पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर गोलियां लगीं। घायल कांस्टेबल का अस्पताल में उपचार चल रहा है।

पुलिस अब इस मामले में गिरोह के अन्य सदस्यों, उनके नेटवर्क और आरोपियों को संरक्षण देने वालों की भूमिका की जांच कर रही है।

बाल शोषण सामग्री पर मेटा को सरकार का सख्त नोटिस

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने इंस्टाग्राम पर कथित रूप से बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी अवैध सामग्री के प्रचार के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए मेटा को सख्त नोटिस जारी किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कंपनी को ऐसे सभी आपत्तिजनक विज्ञापन और लिंक तत्काल हटाने के निर्देश दिए हैं तथा सात दिनों के भीतर विस्तृत जवाब मांगा है।

यह कार्रवाई एक मीडिया जांच के बाद हुई, जिसमें दावा किया गया कि इंस्टाग्राम पर कुछ सशुल्क विज्ञापन अवैध सामग्री से जुड़े टेलीग्राम चैनलों तक पहुंच बना रहे थे। रिपोर्ट सामने आने के बाद सरकार ने मामले पर तत्काल संज्ञान लिया।

सरकार ने सात दिन में मांगा विस्तृत जवाब

आपत्तिजनक विज्ञापन हटाने के दिए तत्काल निर्देश

मेटा ने कहा है कि संबंधित विज्ञापनदाताओं के खाते निलंबित कर दिए गए हैं और संदिग्ध लिंक हटा दिए गए हैं। कंपनी का कहना है कि वह अपनी नीतियों को और प्रभावी बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। अब सरकार कंपनी के जवाब और आगे की कार्रवाई पर नजर बनाए हुए है।

बारिश में बढ़ा सांपों का खतरा

यूनिक समय, मथुरा। मानसून के दौरान सांप निकलने की घटनाओं में तेजी से बढ़ोतरी हो जाती है। लगातार बारिश से बिलों में पानी भर जाने के कारण सांप सुरक्षित स्थान की तलाश में खेतों, बगीचों, सड़कों और कई बार घरों तक पहुंच जाते हैं। ऐसे मौसम में अनजाने में सांप के संपर्क में आने और डसने की घटनाएं भी बढ़ जाती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी स्थिति में घबराने के बजाय, सही प्राथमिक उपचार और समय पर अस्पताल पहुंचना सबसे महत्वपूर्ण होता है।

सांप के काटने के बाद सबसे पहले मरीज को शांत रखें, क्योंकि घबराहट से दिल की धड़कन तेज होती है और यदि सांप जहरीला हो तो विष तेजी से शरीर में फैल सकता है। जिस अंग पर

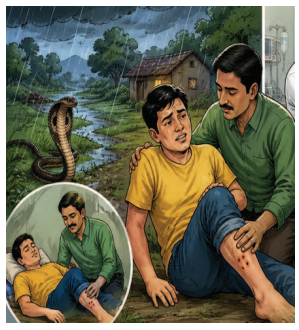

सांप ने काटा है, उसे यथासंभव स्थिर रखें और मरीज को आरामदायक स्थिति में लिटा दें। मरीज को अनावश्यक चलने-फिरने या दौड़ने न दें, क्योंकि शारीरिक गतिविधि से विष तेजी से फैलने की आशंका रहती है।

विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सांप के काटने की स्थिति में घरेलू उपायों या

घबराहट की वजह से शरीर में तेजी से फैलता है जहर

प्राथमिक उपचार बचा सकता है जान, न कराएं झाड़-फूंक

अंधविश्वास का सहारा लेने के बजाय बिना समय गंवाए नजदीकी अस्पताल पहुंचना चाहिए। अस्पताल में डॉक्टर मरीज की स्थिति के अनुसार उपचार करते हैं और जरूरत पड़ने पर एंटी-वेनम (सर्पदंश रोधी) इंजेक्शन देते हैं, जो जहरीले सांप के काटने का सबसे प्रभावी इलाज माना जाता है।

डा. आरएन गर्ग का कहना है कि सर्प दंश के दौरान कुछ गलतियों से बचना भी जरूरी है। जहर चूसने की कोशिश बिल्कुल न करें, क्योंकि इससे संक्रमण का खतरा बढ़ सकता है। प्रभावित अंग पर रस्सी या कपड़ा अत्यधिक कसकर न बांधें, इससे रक्त प्रवाह रुक सकता है और ऊतकों को नुकसान पहुंच सकता है। झाड़-फूंक या देरी करने वाले किसी भी उपाय पर भरोसा न करें।

बारिश के मौसम में खेतों या झाड़ियों में जाते समय मजबूत जूते पहनें, रात में टॉर्च का उपयोग करें और घर के आसपास साफ-सफाई बनाए रखें। थोड़ी सी सावधानी और सही समय पर चिकित्सा सहायता किसी की भी जान बचा सकती है।

कब्जा हटवाने पर फिर कर रहे कब्जे की कोशिश

यूनिक समय चौमुहां, छाता। थाना छाता क्षेत्र के गांव बिलौठी में एक व्यक्ति ने अपनी कृषि भूमि पर दोबारा अवैध कब्जा करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए एसएसपी से कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित ने मुख्यमंत्री के जनसुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत की है।

राधापुरम एस्टेट निवासी राजेश माहेश्वरी ने एसएसपी को दिए शिकायती पत्र में कहा है कि उनकी कृषि भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग-19 के निकट स्थित है। सामने स्थित खसरा संख्या 246/94 की भूमि राष्ट्रीय राजमार्ग के छह लेन निर्माण के लिए वर्ष 2013 में अधिग्रहित हो चुकी थी। जमीन का मालिकों को मुआवजा भी मिल चुका है। इसके बावजूद आरोपी ने कथित रूप से फर्जी अभिलेखों के आधार पर इस भूमि का दूसरे व्यक्ति के नाम बैनामा करा दिया। शिकायतकर्ता ने इस मामले की शिकायत मुख्यमंत्री जन सुनवाई

प्रशासन ने हटवा दिया अवैध अतिक्रमण

जमीन का मुआवजा लेने के बाद भी दोबारा बेच दी जमीन

पोर्टल सहित विभिन्न अधिकारियों से की गई थी। राजस्व विभाग और पुलिस की जांच में प्रथम दृष्टया शिकायत सही पाई जाने पर अवैध अतिक्रमण हटवा दिया था।

शिकायत कर्ता का आरोप है कि अवैध कब्जा हटाए जाने के बाद भी आरोपी अब फिर से जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। उनका कहना है कि आरोपी उनकी भूमि को अपनी बताते हुए विवाद उत्पन्न कर रहा है। पीड़ित ने इस मामले में कार्रवाई करने की मांग की है।

मानसी गंगा पर सुरक्षा और सुविधा को पांच दिन से अनशन

श्रद्धालुओं के जीवन की रक्षा को लेकर अनशन पर बैठे समाजसेवी विनोदी सिंह चौधरी।

यूनिक समय, गोवर्धन। कस्बे में वैसे तो गुरु पूर्णिमा का राजकीय मेला लगता है, लेकिन इस बार मेला से पहले अधिक मास का बड़ा आयोजन हुआ, जिसमें लगभग 11 श्रद्धालुओं की मानसी गंगा में डूबने से मौत हो गई। इसके लिए स्थानीय लोगों और समाजसेवियों ने शासन-प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ कदम भी उठाए, लेकिन मौतों का सिलसिला नहीं रुक सका।

अब श्रद्धालुओं के जीवन की रक्षा को लेकर पांच दिन से समाजसेवी विनोदी सिंह चौधरी अनशन पर हैं।

सात सूत्रीय मांगों को लेकर उन्होंने प्रशासन को अब तीन दिन का अल्टीमेटम दिया है। कहा है कि मांगें नहीं मानी गई तो तीन दिन बाद डीएम का पुतला दहन किया जाएगा । हालांकि इससे पहले उन्हें समझाने के

तहसील प्रशासन और अनशनकारी की मुलाकात से नहीं बनी बात

सवालों का जवाब देने से बचते नजर आए तहसीलदार

लिए तहसीलदार और गोवर्धन थाने के पुलिसकर्मी पहुंचे, लेकिन विनोदी सिंह ने साफ शब्दों में कह दिया कि जब तक डीएम यहां आकर ठोस उपाय नहीं करेंगे, उनकी मांगों पर अमल नहीं करेंगे, तब तक वह अपना अनशन त्यागने वाले नहीं है। इस बीच तहसीलदार सवालों से बचते हुए नजर आए। पत्रकारों से कहा कि उनको बाइट देने का अधिकार नहीं है।

कपड़े के थैलों से घर-घर पहुंचेगा स्वच्छ ब्रज का संदेश

यूनिक समय, मथुरा। "हम सब ने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है" महाअभियान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति ने कपड़े के थैलों के वितरण की अनूठी पहल शुरू की है। इन थैलों पर अभियान का स्लोगन और स्वच्छता का संदेश अंकित किया गया है, ताकि बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर इनके उपयोग के माध्यम से अधिक से अधिक लोग अभियान से जुड़ सकें। समिति का मानना है कि इस प्रकार यह पहल स्वच्छता के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग को कम करने में भी सहायक बनेगी। बैठक में समाजसेवी दीपक गोयल ने नेशनल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज़ के राजीव अग्रवाल 'ब्रजवासी' ,प्रोजेक्ट मथुरा के विपुल अग्रवाल (सीए) और

वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति की नई पहल

उनकी टीम, सहित विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों को कपड़े के थैले प्रदान किए गए। उल्लेखनीय है कि प्रोजेक्ट मथुरा भी शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए अलग से जनजागरूकता अभियान संचालित कर रहा है। वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि छह जुलाई को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की बैठक में भी परिषद के अधिकारियों और सदस्यों को ये कपड़े के थैले भेंट किए जाएंगे। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने मथुरा को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने का संकल्प भी लिया।

स्कूटी खड़ी करने पर विवाद में चली गोली, राहगीर घायल

यूनिक समय, चौमुहां, मथुरा। थाना जैत के गांव जौनाई में रास्ते में स्कूटी खड़ी करने के लेकर गांव के पंडित और ठाकुर पक्ष के लोगों के बीच हुए विवाद ने खूनी संघर्ष का रुप ले लिया। दोनों ओर से हुई फायरिंग में रास्ते से गुजर रहा एक युवक घायल हो गया। घटना से गांव में दहशत फैल गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया।

जौनई निवासी पवन और रोहित के बीच रास्ते में स्कूटी खड़ी करने को लेकर आपस में विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ी की कुछ ही देर में दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे के आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों के बीच जमकर हाथापाई हुई। आरोप है कि इसी दौरान पवन ने फायर कर दिया। गोली वहां से

दोनों पक्ष एक दूसरे से भिड़े, तनाव के हालात

गुजर रहे युवक वृंदावन के सीने के ऊपर गर्दन के पास जा लगी। गोली लगते ही युवक गंभीर घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गांव में हुए झगड़े का पता लगने पर मौके पर पहुंची जैत पुलिस ने घायल को हॉस्पिटल भिजवाया। बताया गया कि युवक की हालत खतरे से बाहर है। गांव में घटना के बाद से तनाव के हालात हैं। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और गोली मारने वाली की तलाश की। पुलिस का कहना है कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

विनय कुमार मिश्र बने गोवर्धन के नए थाना प्रभारी

यूनिक समय, गोवर्धन। गुरु पूर्णिमा मेले से पहले नवागत थाना प्रभारी विनय कुमार मिश्रा ने कमान संभाल ली है। बताते चलें विनय कुमार मिश्रा पुलिस लाइन से गोवर्धन थाना प्रभारी के पद पर तैनात किए गए हैं। पूर्व में वह फिरोजाबाद जनपद में तैनात थे। गोवर्धन थाने का चार्ज संभालने से पहले विनय कुमार मिश्रा ने गिरिराज जी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि नवागत थाना प्रभारी के आने के बाद गुरु पूर्णिमा मेला पर एक अच्छी व्यवस्था मिल पाएगी।

हनुमान टेकरी आश्रम में सजा फूल बंगला

हनुमान टेकरी आश्रम में सजाए फूल बंगला में विराजमान ठाकुर जानकी वल्लभ लाल।

यूनिक समय, वृंदावन । रमणरेती क्षेत्र स्थित हनुमान टेकरी आश्रम में गर्मी से ठाकुर जी को राहत प्रदान करने के लिए धार्मिक आयोजन हुआ। आश्रम में विराजमान ठाकुर जानकी वल्लभ लाल के सामने देशी-विदेशी फूलों के फूल बंगले की झांकी सजाई गई। दर्शन को श्रद्धालु उमड़ पड़े। आश्रम परिवार की ओर से आए सभी संतों का स्वागत किया। संतों ने ठाकुर जानकी वल्लभ लाल की आरती उतारी।

मंदिर के अधिकारी महंत दशरथ दास महाराज ने बताया कि हनुमान टेकरी आश्रम में साक्षात सिद्ध हनुमान की दिव्य प्रतिमा स्थापित है। इस मौके पर महंत मोहिनी बिहारी शरण, माधव दास, मोहन दास, महंत रामदास, नृसिंह दास और श्याम दास आदि उपस्थित थे।

कांशीराम आवासीय कॉलोनी में अपात्रों का कब्जा

यूनिक समय, छाता । कांशीराम शहरी गरीब आवास योजना के तहत छाता में शेरगढ़ रोड के पास बनाई गई कांशीराम आवास कॉलोनी इस समय भ्रष्टाचार और प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार बन चुकी है। योजना का मुख्य उद्देश्य समाज के सबसे कमजोर और गरीब बेघर लोगों को छत मुहैया कराना था, लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। अब कॉलोनी में ऐसे लोग रह रहे हैं जो इसके पात्र ही नहीं हैं, जबकि असली हकदार दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के अनुसार, आवासीय कॉलोनी में कुल 6 ब्लॉक बनाए गए हैं, प्रत्येक ब्लॉक में कुल 48 आवास हैं। इनमें से कई मकान ऐसे हैं, जिनके नाम पर

आवास आवंटित हुआ था, वे व्यक्ति अपने मकानों पर ताला लगाकर वर्षों से बाहर रह रहे हैं। नियमानुसार, यदि आवंटित व्यक्ति को आवास की आवश्यकता नहीं है, तो उसे निरस्त कर किसी दूसरे जरूरतमंद को दिया जाना चाहिए, लेकिन यहां ऐसा कुछ नहीं हो रहा।

कॉलोनी की इस दुर्दशा और धांधली पर स्थानीय प्रशासन पूरी तरह से आंखें मूंदे बैठा है। अधिकारियों द्वारा कभी भी मौके पर आकर सत्यापन नहीं किया गया। जांच न होने के कारण पात्र गरीब लोग किराए के मकानों में या झुग्गियों में रहने को मजबूर हैं। क्षेत्र के पीड़ित और गरीब पात्र लोगों ने डीएम और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की

ताले में बंद मकान भटक रहे असली गरीब पात्र

डीएम से निष्पक्ष जांच की उठने लगी है मांग

है कि इस कॉलोनी के सभी छह ब्लॉकों के मकानों की निष्पक्ष जांच कराई जाए। जो लोग वर्षों से ताला लगाकर बाहर रह रहे हैं, उनका आवंटन तुरंत निरस्त किया जाए। कॉलोनी में अवैध रूप से रह रहे अपात्रों को बाहर कर, झोपड़पट्टियों और किराए के मकानों में रह रहे असली गरीब पात्रों को यह मकान आवंटित किए जाएं।

जेसीबी से कटी केबल, बिजली सप्लाई बाधित

यूनिक समय, वृदावन। रविवार को जेसीबी से वंशीवट की तरफ जाने वाली 11 हजार केवी की केबिल कटने से बिजली सप्लाई ठप हो गई। जानकारी के अनुसार, नगर निगम की ओर से खुदाई का काम किया जा रहा था। इसी दौरान केवल कट गई। जिस कारण वंशीवट के अंतर्गत गोपीनाथ बाजार, रंगजी की छावनी , गोपेश्वर रोड, केशीघाट भागवत विद्यालय के आस पास के क्षेत्र की सप्लाई बंद ठप हो गई। केबिल सही होने तक सप्लाई बाधित रहेगी।